वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 165 बुधवार 8 अक्टूबर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

नीलाम मिनरल ब्लॉकों की आवश्यक अनुमतियां हो प्राथमिकता से जारी

प्रदेश में शीघ्र आरंभ हो खनन कार्य: पंत

मुख्य सचिव सुधांशु पंत ने नीलाम मिनरल ब्लॉकों को शीघ्र परिचालन में लाने की आवश्यकता प्रतिपादित करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक अनुमतियां प्राथमिकता से जारी कराने के निर्देश दिए हैं। समय पर आवश्यक अनुमतियां जारी होने से नीलाम ब्लॉकों में खनन कार्य आरंभ हो सकेगा, इससे खनन क्षेत्र में निवेश के साथ ही प्रदेश में रोजगार के नए अवसर और राज्य सरकार के राजस्व में भी बढ़ोतरी होगी।

राज्य 112 मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी के साथ देश में अव्वल

ब्लॉकों में खनन कार्य आरंभ नहीं होने से केन्द्र सरकार भी गंभीर

जयपुर. कासं

मुख्य सचिव सुधांशु पंत ने मंगलवार को सचिवालय के चिंतन कक्ष में नीलाम किये गए खनिज ब्लॉकों में शीघ्र खनन कार्य आरंभ कराने के लिए प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राज्य 112 मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी के साथ देश में अव्वल है पर आवश्यक अनुमतियां जारी होने में देरी के कारण इन ब्लॉकों में खनन कार्य आरंभ नहीं हो सका है। केन्द्र सरकार भी इसे लेकर गंभीर है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग चैक लिस्ट जारी कर आवश्यक औपचारिकताओं की जानकारी दें ताकि आवेदन के समय ही आवश्यक औपचारिकता पूरी हो सके। हो सके तो सिस्टम ही इस तरह का विकसित कर लिया जाए कि आवश्यक औपचारिकताओं में कमी होने पर सिस्टम आवेदन को स्वीकार ही ना करें। उन्होंने बार-बार, नई-नई कमियां इंगित करने को गलत बताते हुए कहा कि इससे अनावश्यक देरी होती है। प्री-एम्बेडेड ब्लॉकों के ऑक्शन की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार इसे लेकर गंभीर है ऐसे में जल्द से जल्द अनुमतियां प्राप्त कर ऑक्शन की तैयारी की जाए। उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को निर्देश दिए कि जिलों में जनसुनवाई का कार्य शीघ्र पूरा कराया जाए।

बजरी खनन आरंभ होने से आम लोगों को बड़ी राहत मिलेगी

विभागीय पोस्ट ऑक्शन फेसिलिटेशन सेल को और अधिक सक्रिय करते हुए समन्वय व मार्गदर्शन के निर्देश दिए। उन्होंने एलओआई धारकों और संबंधित विभागों के बीच ओरियंटेशन कार्यक्रम करने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे प्रक्रिया की जानकारी होने से आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन होगा और अनुमतियों में देरी नहीं हो सकेगी। उन्होंने चरागाह और प्लांटेशन आदि के संबंध में भी निर्देश दिए। उन्होंने बजरी खानों की नीलामी के बावजूद पर्यावरण स्वीकृतियों में देरी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बजरी खनन आरंभ होने से आम लोगों की बड़ी राहत मिल सकेगी। अतिरिक्त मुख्य सचिव वन एवं पर्यावरण आनंद कुमार ने कहा कि आवश्यक अनुमतियां जारी होने में देरी को परस्पर समन्वय व सहयोग से दूर किया जाएगा। विभाग स्तर पर भी मोनेटरिंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। प्रमुख सचिव राजस्व दिनेश कुमार ने बताया कि चारागाह क्लीयरेंस से संबंधित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर लिया जाएगा।

शेखावाटी विश्वविद्यालय को मिला सेना का अनमोल उपहार

टी-55 टैंक और दो तोपें सुनाएंगी सैन्य इतिहास की गौरव गाथाएं

सीकर/जयपुर. कासं

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर को भारतीय सेना ने पराक्रम और शौर्य के प्रतीक के रूप में ऐतिहासिक टैंक टी-55 और दो तोपें का अनमोल तोहफा दिया है। ये युद्ध-ट्रॉफी अब विश्वविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों और युवाओं को भारतीय सेना के अदम्य साहस, देशभक्ति और गौरवपूर्ण इतिहास से रूबरू

कराएंगी। शेखावाटी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार राय ने बताया कि यह ऐतिहासिक टैंक और तोपें केवल सेना के हथियार नहीं, बल्कि शौर्य, बलिदान और पराक्रम के जीवंत प्रतीक हैं। जिससे युवाओं और विद्यार्थियों के मन में सेना के प्रति सम्मान, राष्ट्रप्रेम व देश भक्ति की भावना जाग्रत होगी। प्रो. राय ने बताया कि यह टैंक मंगलवार को किरकी, पुणे से शेखावाटी विश्वविद्यालय पहुंच गया और दोनों तोपें भी जबलपुर से जल्द ही यहां पहुंच जाएंगी। ये युद्ध-स्मृति चिन्ह विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर स्थित 'शौर्य दीवार' के पास स्थापित किए जाएंगे।

जैन समाज का गौरवशाली एवं प्रेरणादायी इतिहास

विजय कुमार जैन राघौगढ़ म.प्र.

जैन समाज वर्तमान में शासकीय आंकड़ों से भले ही अल्पसंख्यक की श्रेणी में आ गया है। मगर हम गर्व से कह सकते हैं। जैनों का अतीत का इतिहास गौरवशाली रहा है। कभी ईशा से 1000 वर्ष पूर्व जैनों की जनसंख्या 40 करोड़ थी, जो ईशा से 500 -600 वर्ष पूर्व 25 करोड़ तथा अकबरे आईनी के अनुसार सन 1556 ईस्वी में अकबर के शासनकाल में जैन समाज की जनसंख्या 4 करोड़ थी। एक अंग्रेजी गजट के अनुसार सन 1947 में जैनों की जनसंख्या 9 करोड़ थी एवं पिछली जनगणना के अनुसार भारत में जैनों की जनसंख्या मात्र 44.02 लाख ही रह गई। हम भले ही सरकारी आंकड़ों के अनुसार भारत वर्ष में मात्र 44 लाख रह गए हैं, मगर जैन समाज का गौरवशाली इतिहास हमें प्रेरणादायी एवं भगवान महावीर के जिओ एवं जीने दो के अहिंसा सिद्धांत पर चलने की प्रेरणा देता है। जैन संस्कृति विश्व की महान एवं प्राचीन संस्कृतियों में एक है। हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की खुदाई से प्राप्त मुद्रा एवं उस पर अंकित ऋषभदेव का सूचक बैल तथा सील नंबर 449 पर स्पष्ट रूप से जैनेश्वर शब्द का अंकन होना तथा वेदों की 141 ऋचाओं में भगवान ऋषभदेव का आदर पूर्वक उल्लेख इस संस्कृति को वेद प्राचीन संस्कृति सिद्ध करती है। हमारे देश भारतवर्ष का नाम ऋषभदेव के पुत्र चक्रवर्ती भरत के नाम से भारत विख्यात है,जो कि जग जाहिर प्रमाण है। विष्णु पुराण में भी इसका उल्लेख मिलता है। हमारे देश के प्रधानमंत्री स्वर्गीय पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उड़ीसा के खंडगिरि स्थित खारवेल के शिलालेख पर भरतस्य भारत रूप प्रशस्ति को देखकर ही इस देश के संविधान में नामकरण भारत किया था। राजा श्रेणिक, सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य, कलिंग नरेश खारवेल तथा सेनापति चामुंडराय जैन इतिहास के महान शासक हुए हैं। जैन पुराणों के अनुसार सती चंदन वाला, मैना सुंदरी एवं रानी रेवती आदि अनेक महान सम्यक दृष्टि जैन नारियां हुई है। नारी स्वतंत्रता के प्रतीक भगवान महावीर के चतुर्विधि संघ में कुल 36000 आर्यिकायें थी। मुगल काल में सम्राट अकबर एवं जहांगीर के द्वारा समय-समय पर जैन साधुओं के उपदेशों से प्रभावित होकर जजिया कर माफी एवं पर्यूषण पर्व आदि के अवसर पर पशुबध बंदी के अनेक फरमान जारी किए गए हैं। अंग्रेज शासको के द्वारा भारत में सन 1818 में भगवान पार्श्वनाथ एवं सन 1839 में भगवान महावीर पर सिक्के जारी किए गए थे। आज से लगभग 6000 वर्ष पूर्वोत्तर भारत में सरस्वती नदी के तट पर आत्म मार्गी अनुज पद की राजधानी कालीबंगा स्थित थी। जिसके अंतर्गत राजस्थान के गंगानगर जिले के आसपास का क्षेत्र आता था। इस अनुज पद के जैन आचार्य ओनसी थे, जो कि तत्व ज्ञान, जैन दर्शन, राजनीति एवं अर्थतंत्र के अपने समय के पारंगत विद्वान हुआ करते थे। ईसा से 4000 वर्ष पूर्व जैन धर्म यूरोप, रूस, मध्य एशिया, लघु एशिया, मैसोपोटामिया, मिश्र, अमेरिका, यूनान, बेबीलोनिया सीरिया, सुमेरिया, चीन, मंगोलिया, उत्तरी और मध्य अफ्रीका, भूमध्य सागर, रोम, इराक, अरविया, इथोपिया, स्वीडन, फिनलैंड, ब्रह्म देश, थाईलैंड, जावा, सुमात्रा एवं श्रीलंका में छा गया था। भारत में लक्षद्वीप को छोड़कर सभी राज्यों में जैन समुदाय के लोग रहते हैं। विदेशों में सर्वाधिक संयुक्त राज्य अमेरिका में एक लाख से अधिक जैन रहते हैं। वहां पर 26 जैन मंदिर एवं 100 विशिष्ट जैन मंडल हैं। यूनाइटेड किंगडम में 35000 एवं अफ्रीका में 20000 जैन रहते हैं। बेल्जियम के कच्चे हीरे के दो तिहाई व्यापार पर जैन भारतीयों का वर्चस्व है। भारत के बाहर आयरलैंड, पोर्ट्सबार, हर्ट फोर्ड शायर, लॉस एंजिल्स, न्यू जर्सी, लीसेस्टर, ग्रेटर फिनिक्स, लंदन नैरोबी, मुंबई, सिंगापुर तथा बैंकॉक ऑस्ट्रेलिया एवं तथा जापान में प्रवासी जैन समुदाय के लोग रहते हैं। चीन में 13000 वर्ष पूर्व करीब 28000 जैन मंदिर थे। इजराइल में भगवान ऋषभनथा के पिता नाभि राय और माता मरुदेवी की पूजा होती है। एक जर्मन विद्वान ने दिल्ली में आयोजित एक विचार गोष्ठी में बतलाया था कि जर्मन नाम सरमन से पड़ा है। 16वीं सदी में गोवा पूरी तरह जैन राज्य था। जैन धर्म को अंतरराष्ट्रीय धर्म के संगठन में दसवें धर्म के रूप धर्म के रूप में मान्यता प्राप्त है।जैन समाज के गौरवशाली एवं प्रेरणादायी इतिहास से जैन समाज की वर्तमान पीढ़ी परिचित नहीं हैं। गौरवशाली इतिहास की अनेक जानकारी और है जिनका भी हम आगे उल्लेख करने का प्रयास अवश्य करेंगे। नई पीढ़ी को इतिहास की जानकारी देने सकारात्मक प्रयास समय की आवश्यकता है।

प्रेषक:-विजय कुमार जैन वरिष्ठ पत्रकार राघौगढ़ जिला गुना म.प्र

पेट में गया हुआ बाल–दिखता नहीं लेकिन तकलीफ़ जबरदस्त होती है!

(आयुर्वेदिक उपाय ज़रूर करें)

क्या आपने कभी सोचा है कि खाने से, दूध से, पालतू जानवरों के बालों से या यहाँ तक कि नॉनवेज़ खाने से भी आपके पेट में कोई बाल जा सकता है? ये मामूली लगने वाली बात असल में पेट के लिए बहुत परेशान करने वाली हो सकती है।सबसे बड़ी समस्या ये है कि – ये बाल सोनोग्राफी या एंडोस्कोपी में भी नज़र नहीं आता! इसी वजह से पेट दर्द, उल्टी, गैस, एसिडिटी जैसी दिक्क़तों का सही कारण पता करना मुश्किल हो जाता है। लक्षण जिन्हें नज़रअंदाज़ न करेंअगर पेट में बाल चला गया है, तो ये लक्षण दिख सकते हैं:खाना खाने के बाद उल्टी या मितली। बार-बार पेट दर्द (बायीं/दायीं तरफ़)। गैस, एसिडिटी, पेट फूलना।खाया हुआ खाना पचता नहीं। पेट में सूजन। ये लक्षण अक्सर दूसरे रोगों जैसे लगते हैं, इसलिए डायग्नोसिस मुश्किल हो जाता है। आयुर्वेदिक चमत्कारी उपाय – जामुन के बीजआयुर्वेद के अनुसार जामुन के बीज पेट में फंसे बाल को निकालने की शक्ति रखते हैं।जामुन में मौजूद अल्कलॉइड्स और फाइबर पेट/आंत से चिपका बाल बाहर निकालने, आंत साफ़ करने, एसिडिटी कम करने और पाचन सुधारने का काम करते हैं।

उपाय करने की विधि

1. बीज का उपयोग (डायरेक्ट) 5-6 जामुन के बीज का पतला आवरण हटाकर हरा गूदा निकालें।छोटे टुकड़े कर धीमी आँच पर सेंधा नमक के साथ हल्के-हल्के भूनें। भूनने के बाद नमक अलग करें और टुकड़े सुबह खाली पेट या रात को सोने से पहले खाएँ। 5-6 दिन लगातार ये उपाय करें।

2. पाउडर विधि (अगर बीज न मिलें)आयुर्वेदिक दुकान से जामुन बीज का पाउडर लें। एक चम्मच पाउडर हल्का सा भून लें। गुनगुने पानी में थोड़ा सेंधा नमक डालकर पी लें। 6-7 दिन लगातार करें। फायदेपेट में फंसा हुआ बाल बाहर निकल जाता है। एसिडिटी, गैस, अपच दूर होता है।बवासीर, किडनी स्टोन जैसी समस्याओं में भी राहत। ये उपाय छोटा है लेकिन उन पेट की बीमारियों पर असरदार है जिनका कारण पकड़ में नहीं आता। इसे अपने करीबियों तक ज़रूर पहुँचाएँ।

डा पीयूष त्रिवेदी आयुर्वेद विशेषज्ञ जयपुर

उदयपुर में आयोजित पुलक आइडल सीजन 4 के फाइनल में पिडावा के आशिष जैन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। 28वें राष्ट्रीय अधिवेशन कि पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम पुलक आइडल सीजन 4 जो कि उदयपुर के टाउन हॉल में आयोजित हुआ। जहाँ देश भर से आये 14 प्रतिभागी में से प्रथम स्थान उदयपुर कि प्राची जैन ने प्राप्त किया और द्वितीय स्थान पर झालावाड़ जिले के पिड़ावा निवासी आशिष जैन रहे और तृतीय स्थान सीहोर मध्यप्रदेश से अंकुश जैन ने प्राप्त किया। इस आयोजन पर देश भर के अलग अलग प्रांतो के करीब 2000 लोग मौजूद रहे। आशिष जैन जिन्होंने उदयपुर में जाकर नगर का ओंर समाज का नाम रोशन किया। जिस पर समाज मे देर रात तक आपकी आवाज जैन की आवाज व्हाट्सप्प ग्रुप में माध्यम से शुभकामनाओं का दौर चलता रहा और समाज और नगर में हर्ष का विषय बना हुआ है।

पर्यावरण शुद्धि दिवस पर मॉडर्न हैप्पी स्कूल में विशेष आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

पर्यावरण शुद्धि दिवस के अवसर पर मॉडर्न हैप्पी स्कूल, जयपुर में आज प्रातः 10:30 बजे एक भव्य एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना को सशक्त करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुनीत कर्णावट (उप महापौर, जयपुर नगर निगम ग्रेटर) तथा विशिष्ट अतिथि नवीन भंडारी (ट्रस्टी, श्रीराम आशापूर्ण चैरिटेबल ट्रस्ट) रहे। समारोह में प्राचार्य शंकर डगायच, उमेंद्र गोयल (सह मंत्री, अणुविभा), विमल गोलछा (निवर्तमान अध्यक्ष, अणुव्रत समिति, जयपुर), डॉ. जयश्री सिद्धा (मंत्री, अणुव्रत समिति), श्रीमती राजलक्ष्मी (प्रचार-प्रसार मंत्री), गणपत भंडारी, शक्रेंद्र जैन सहित अनेक गणमान्यजन, शिक्षकगण एवं लगभग 250 विद्यार्थियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य श्री तुलसी के प्रेरक गीत बदले युग की धारा अणुव्रतों के द्वारा के सामूहिक गायन से हुआ। इस अवसर पर अणुव्रत समिति के निवर्तमान अध्यक्ष विमल गोलछा ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का स्वागत करते हुए कहा कि अणुव्रत आंदोलन आज भी समाज को संयम, सत्य और अहिंसा की राह पर चलने की प्रेरणा देता है। अणुव्रत समिति की मंत्री डॉ. जयश्री सिध्दा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आचार्य श्री तुलसी जी का अणुव्रत आंदोलन एक ऐसा नैतिक अभियान है, जो पर्यावरण, मानवीयता और जीवन मूल्यों की रक्षा के लिए हर युग में प्रासंगिक रहेगा। उन्होंने सभी से आान किया कि हमें अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनना चाहिए। मुख्य अतिथि पुनीत कर्णावट ने अपने उद्बोधन में कहा कि अणुव्रत धर्म ही सच्चा मानव धर्म है, जो हमें संयमित और संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा देता है। यदि हर व्यक्ति अपने जीवन में अणुव्रत के सिद्धांतों को अपनाए तो समाज में सद्भावना, स्वच्छता और हरियाली का वातावरण स्वतः निर्मित हो जाएगा। विशिष्ट अतिथि नवीन भंडारी ने अपने प्रेरक विचारों में कहा कि दैनिक जीवन में संयम और गोकाष्ट (गौमय उत्पाद) का प्रयोग कर हम पेड़ों को बचा सकते हैं। हमें अपने जीवन में यह संकल्प लेना चाहिए कि हम प्रत्येक वर्ष कम से कम एक पेड़ अपनी माता के नाम से अवश्य लगाएं क्योंकि माँ और प्रकृति, दोनों ही हमारे जीवन का आधार है। उन्होंने आगे बच्चों को संकल्प दिलाते हुए कहा कि आप सभी एक पेड़ अपनी मां के नाम से लगाएं और उसे अपने बच्चे की तरह संभालें, सींचें और बड़ा करें। बच्चों ने हाथ उठाकर इस संकल्प को दृढ़ता से स्वीकार किया और अत्यंत उत्साह एवं प्रसन्नता के साथ यह वचन दिया कि वे इस जिम्मेदारी को पूरे मन से निभाएंगे। कार्यक्रम के दौरान सह मंत्री अणुविभा उमेंन्द्र गोयल ने अणुव्रत आचार संहिता का वाचन करवाया। राजलक्ष्मी ने पर्यावरण विषय पर स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित कर विद्यार्थियों को प्रेरित किया। प्राचार्य शंकर डगायच ने विद्यार्थियों से आान किया कि वे अणुव्रत के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएँ और पर्यावरण के संरक्षक बनें। कार्यक्रम का सफल संचालन पलक जी ने किया तथा अंत में सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में विद्यार्थियों ने वृक्षारोपण भी किया और हरित जीवन-सुरक्षित भविष्य का संकल्प लिया। पूरे आयोजन में उत्साह, प्रेरणा और पर्यावरण के प्रति समर्पण की भावना स्पष्ट रूप से झलक रही थी।

वेद ज्ञान

वैराग्य से ही मोह से छुटकारा

स्वार्थ का शालीन नाम 'मोह' है। हम सभी परस्पर स्वार्थ से जुड़ते हैं। इसी कारण उनके प्रति मोह रहता है। स्वार्थ, ममत्व को जन्म देता है। ममत्व ही मोह है। लोक में, व्यक्ति का परिजन, दोस्त संबंधी और धन-आदि से सीधा जुड़ाव होता है। सभी से कुछ न कुछ स्वार्थ सिद्ध होता है। इसलिए इनके प्रति स्वाभाविक मोह होता है। लौकिक-संबंध अथवा वस्तु हमारे लिए जितना उपयोगी होते हैं, उतने ही उनके प्रति वे आसक्ति रखते हैं। उनके प्रति उतनी ही आसक्ति या रागात्मिका-वृत्ति दृढ़ होती है। हमें जिनके प्रति जितना मोह या राग-भाव होता है, उनके खोने का भय भी उतना ही प्रबल होता है और उनके खो जाने पर अत्यंत दुख का अनुभव होता है। अब यदि इस मोह (राग-भाव) से छुटकारा मिल जाए तो सांसारिक दुखों से आसानी से छुटकारा पाया जा सकता है। मोह से छूटने का एकमात्र उपाय है-वैराग्य। रागों से मुक्त होना वैराग्य है। वैराग्य वह शक्ति है, जो मनुष्य को अभय प्रदान करती है। इसकी ऊर्ध्व गति है। वैराग्य आत्मसाक्षात्कार कराने का प्रवेश द्वार अथवा मूल है। वैराग्य-प्राप्ति की प्रक्रिया मन के रागात्मक होने वाले कारणों के सर्वथा विपरीत है। लौकिक संबंधों से अपेक्षाओं का पूर्णतया त्याग और उनके प्रति ममत्व त्यागकर निर्विकार होना वैराग्य-प्राप्ति का उपाय है, किंतु यह इतना सरल नहीं है, क्योंकि एतदर्थ समत्व-बुद्धि के लिए सतत और दृढ़तापूर्वक अभ्यास करना पड़ेगा। समत्व-बुद्धि निर्मल-मन का विषय है। लौकिक अपेक्षा-कामना-आसक्ति और मोहादि विकार संकीर्ण और अशुद्ध-मन के कार्य-व्यापार हैं। इसके विपरीत अलौकिक और सर्वव्यापक सत्ता को एकमात्र स्वीकार करना, उसी के साक्षात्कार की अपेक्षा रखना, उसी की अनन्य-भक्ति की सदैव कामना, उसी के परम-सौंदर्य पर निरंतर मुग्ध (आसक्त या मोहित) रहना-निरंतर ऐसी मनोस्थिति बनाए रखना स्थिति-प्रज्ञ या समत्व-बुद्धि प्राप्त करने के प्रारंभिक चरण हैं। अलौकिक (परमात्म) सत्य को सर्वोपरि मानने से लौकिक-प्रपंच स्वतः शांत होने लगते हैं।

संपादकीय

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 : घोषणा की घंटी बजी

भारत निर्वाचन आयोग की ओर से 6 अक्टूबर को बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए तारीखों की घोषणा होते ही राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। 243 सीटों पर होने वाला यह चुनावी महायुद्ध दो चरणों में 6 और 11 नवंबर को संपन्न किया जाएगा, जबकि 14 नवंबर को वोटों की गिनती होगी। यह घोषणा न केवल बिहार की 12 करोड़ जनता के लिए बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगी।

पिछले पांच वर्षों में राज्य ने सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों का सामना किया है, और अब मतदाता विकास, रोजगार और शासन की जवाबदेही पर अपना फैसला सुनाएंगे। बिहार की राजनीति हमेशा से ही अप्रत्याशित रही है। 2020 के चुनावों में एनडीए (नीतीश कुमार की जेडीयू और भाजपा) ने 125 सीटें हासिल कर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेतृत्व वाले महागठबंधन को कड़ी टक्कर दी थी। लेकिन 2025 का परिदृश्य कुछ अलग नजर आ रहा है। हालिया ओपिनियन पोल्स के मुताबिक, भाजपा को बड़ा फायदा होता दिख रहा है। टाइम्स नाउ-जेवीसी सर्वे में भाजपा को 64 सीटें मिलने का अनुमान है, जो 2020 की 74 सीटों से बढ़कर 81 तक पहुंच सकती हैं। नीतीश कुमार की जेडीयू को 29 सीटें मिलने की संभावना है, जो एनडीए के भीतर उनके घटते कद को दर्शाता है। दूसरी ओर, आरजेडी और कांग्रेस का महागठबंधन 70-80 सीटों पर सिमट सकता है। इस बार का सबसे बड़ा सरप्राइज प्रशांत किशोर की 'जन सुराज' पार्टी हो सकती है, जो पहली बार मैदान में उतर रही है। किशोर, जो पहले कई सफल चुनावी रणनीतियां रच चुके हैं, अब एक स्वतंत्र योद्धा बनकर बिहार के युवाओं और व्यवस्था परिवर्तन की मांग करने वाले मतदाताओं को लुभा रहे हैं। उनकी उपस्थिति चुनाव को त्रिकोणीय बनाने और मुख्य दलों के वोट काटने की क्षमता रखती है। बेरोजगारी और पलायन बिहार के पुराने घाव हैं। राज्य से प्रतिवर्ष लाखों युवा रोजगार के लिए अन्य राज्यों की ओर रुख करते हैं। सभी पार्टियां अपने घोषणापत्रों में लाखों नौकरियों का वादा कर रही हैं। एनडीएः यह गठबंधन विकास के नाम पर जोर दे रहा है। नीतीश कुमार की 'सात निश्चय' योजना को आगे बढ़ाने का दावा किया जा रहा है, जिसमें सड़क, बिजली, और शिक्षा के बुनियादी ढांचे पर फोकस है। महागठबंधनः विपक्ष, आरजेडी के नेतृत्व में, जातिगत जनगणना, आरक्षण वृद्धि और महंगाई जैसे मुद्दों को उछाल रहा है। तेजस्वी यादव ने आरक्षण को लेकर आक्रामक रुख अपनाया है, जिसे वे सामाजिक न्याय की गारंटी के रूप में पेश कर रहे हैं। वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए चुनावी सुधारों की मांग की है। क्षेत्रीय दल और गठबंधन की रणनीतिः आइएमआईएम जैसे क्षेत्रीय दल भी कमर कस रहे हैं। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने 'सीमांचल न्याय यात्रा' शुरू की है, जो सीमांचल क्षेत्र के मुस्लिम-यादव वोट बैंक पर नजर रखे हुए है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वदेशी

डा. अश्विनी महाजन

अगस्त 1905 में, स्वदेशी आंदोलन की औपचारिक घोषणा के साथ, स्वदेशी विचार विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार से कहीं आगे बढ़कर भारत के औद्योगिक और सांस्कृतिक विकास का माध्यम बन गया। स्वतंत्रता के बाद, जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में, 'आत्मनिर्भरता' शब्द समाजवाद और राज्य-आधारित विकास पर केंद्रित हो गया, जिसने स्थानीय उद्यमों की स्वदेशी भावना को दबा दिया। बाद में 1990 के दशक के आर्थिक संकट ने उदारीकरण को मजबूर किया। दिलचस्प बात यह है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

(आरएसएस) ने पहले नेहरूवादी राज्य-प्रायोजित मॉडल का विरोध किया, और बाद में बहुराष्ट्रीय कंपनियों पर अत्यधिक निर्भरता वाले वैश्वीकरण मॉडल का भी मुखर विरोध किया। आरएसएस के लिए, स्वदेशी कभी भी केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता तक सीमित नहीं रहा; यह भारत की संस्कृति, परंपरा और मूल्यों में निहित एक सभ्यतागत लोकाचार रहा है। संघ की स्थापना ऐसे समय में हुई जब स्वदेशी आंदोलन गति पकड़ चुका था। डॉ. हेडगेवार का मानना था कि राष्ट्रीय पुनरुत्थान के लिए राजनीतिक स्वतंत्रता के साथ-साथ अर्थव्यवस्था और विचारों में आत्मनिर्भरता आवश्यक है। संघ ने प्रारंभ से ही विदेशी के बहिष्कार के साथ-साथ देश के पुनरुत्थान के लिए व्यापक स्वदेशी का समर्थन किया। 2020 में शुरू हुई 'आत्मनिर्भर भारत' की पहल को स्वदेशी जागरण मंच (एसजेएम) का समर्थन प्राप्त है, जिसका उद्देश्य विदेशी पूंजी और तकनीक पर निर्भरता को कम करना है। आरएसएस के शताब्दी वर्ष के 'पंच परिवर्तन' में 'स्व के भाव का जागरण' (स्वदेशी) एक महत्वपूर्ण बिंदु है। आरएसएस की प्रेरणा से, औपनिवेशिक शक्तियों के पुनः उभार की समस्याओं के संदर्भ में, स्वदेशी जागरण मंच (एसजेएम) की स्थापना की गई। मंच ने तीन आयामों पर काम किया: 1. जन जागरण (स्वदेशी वस्तुओं, स्थानीय उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करना), 2. आंदोलन (डंकल ड्राफ्ट, गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के विरोध में 'मत्स्य यात्रा', अलकबीर कत्लखाने के विरोध में पदयात्रा जैसे सफल आंदोलन), और 3. रचनात्मक कार्य (लघु कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन देने हेतु मेलों का आयोजन)। संघ का स्पष्ट मत रहा है कि आर्थिक स्वदेशी के बिना राजनीतिक स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं है। संघ ने सदैव विकास के पश्चिमी मॉडलों का विरोध किया और जोर दिया कि भारत को कृषि, लघु-स्तरीय उद्योगों और समुदाय आधारित अर्थव्यवस्था में अपनी पारंपरिक शक्तियों का विकास करना चाहिए। 1991 के उदारीकरण के बाद, एसजेएम ने बहुराष्ट्रीय निगमों के माध्यम से आर्थिक उपनिवेशीकरण के खतरे के बारे में देशव्यापी जन जागरण अभियान चलाया, जिसका अंतिम लक्ष्य आत्मनिर्भर आर्थिक नीतियों को बढ़ावा देना रहा है।

कोई भी कला छोटी नहीं होती आपके पास कलम है एक अधिकार है कलम के माध्यम से देश भाग्य लिख सकते हैं: मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज का चिंतन राष्ट्र को समर्पित है : सासंद लता वानखेड़े

आईजा के राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर से पहुंचे पत्रकार

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

सकारात्मक पत्रकारिता से हम सब कुछ नया नया करने का जज्बा रखें : राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुड्डा

परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ क्षुल्लक गम्भीर सागर जी महाराज क्षुल्लक श्री वरिष्ठ सागर जी महाराज क्षुल्लक श्री विदेह सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में आज दोपहर में सुभाष गंज जसिं मंदिर प्रांगण में अखिल भारतीय जैन जर्नलिस्ट एसोसिएशन आईजा के संयोजकत्व में जैन समाज अशोक नगर द्वारा मध्यप्रदेश महिला मोर्चा की पूर्व अध्यक्ष एवं सागर से सांसद लता वानखेड़े के मुख्य अतिथि एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, पूर्व विधायक जजपाल सिंह जज्जी ,पूर्व विधायक सागर सुनील जैन, नपाध्यक्ष नीरज मनोरिया के विशेष आतिथ्य में आयोजित किया गया। इस दौरान आइजा द्वारा परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज को राष्ट्रसंत की उपाधि से अलंकृत किया गया इस दौरान पधारे अतिथियों का सम्मान किया गया।

<u>आपके पास कलम है एक अधिकार है आप उस कलम के माध्यम से सेवा कर सकते हैं</u>

पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा कि आप पत्रकार कोई भी कला छोटी नहीं होती आपके पास कलम है एक अधिकार है आप उस कलम के माध्यम से किसी गरीब की मदद कर सकते आप जो लेखनी चलाते हैं इसको लाखों लोग विश्वास के साथ पड़ते हैं हर व्यक्ति शहर की सड़कों पर गली मोहल्ले में क्या हो रहा है आपकी नजर से देखता है जो आप लिखेंगे वैसी धारणा पाठकों कि वनती चली जाती है आप नकारात्मक सोच को भी सकारात्मक सोच में बदल सकते हो सुबह से लाखों लोग तुम्हारी कलम को पड़ने की कोशिश कर रहे हैं अधिकार में कभी व्यक्तिगत बुराईयों को मल लाना कष्य नहीं आना चाहिए किसी दुर्जन ने आपको गाली दे दी उसका असर आपकी लेखनी पर नहीं होना चाहिए जिस प्रकार साधु को कोई कितना ही अपमान कर दे तो भी साधु बुरा नहीं मानता ऐसे ही आपकी लेखनी में उसका असर नहीं आना चाहिए।

<u>मैं सागर समाज का निवेदन लेकर आई हूं महाराज जी सागर पधारे : सांसद वानखेड़े</u>

इस अवसर पर सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व अध्यक्ष सांसद लता वानखेड़े ने कहा कि आप लोगों का हर दिन दिवाली हो रहा होगा गत वर्ष चातुर्मास हमारे सागर में हुआ था इतने समारोह हुए कि मन अभिभूत हो गया मैं तो सागर वासियों का निवेदन लेकर आई हूं सागर आपके विना अधूरा लग रहा है महाराज जी जैसे ही मुझे बताया गया कि आपके सानिध्य में अशोक नगर में पतकार सम्मेलन हो रहा है मैंने तत्काल आने का मन बनाया और आपके चरणों में उपस्थित हैं पतकार हमारे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ रुप अपनी सेवाएं दे रहे हैं आप का भी समाज के प्रति बहुत बड़ा दायित्व है।

<u>आज देश भर से पत्रकारिता जगत के साथी आयें है : पूर्व केंद्रीय मंत्री</u>

इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप आदित्य ने कहा कि आज देश भर से आज जैन पतकारो का समूह आया है पूर्व में भी हम इस क्षेत्र का काम करते रहे हैं पूर्व विधायक जजपाल सिंह जज्जी ने कहा कि परम पूज्य गुरुदेव के सान्निध्य में अशोक नगर में भव्य आयोजन की श्रंखला चल रही है इन्हें देखकर बहुत आनंद आ रहा है नपा अध्यक्ष नीरज मनोरिया ने कहा कि देश भर से पधारे सभी पत्रकार साथियों का बहुत बहुत अभिनंदन है। प्रेस क्लब के अध्यक्ष मनोज जैन ने कहा कि आज अशोक नगर पतकार का महाकुंभ हो रहा है हम सब भी अपनी भूमिका के साथ न्याय करते हुए काम करें समारोह में आगरा आए मनोज जैन ने कहा कि आप लोग बहुत बड़े बड़े आयोजन कर रहे हैं आज इसमें आइजा का सम्मेलन एक कड़ी के रूप में जुड गया। इस दौरान आइजा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुडया प्रदेश अध्यक्ष राजीव सैनानी प्रेस क्लब अध्यक्ष मनोज जैन जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष अरविंद कचनार नीरज जैन पवन पतकार सन्तोष जैन डिक्स मनोज कलाकार सौरव गौरव जैन जिनेश जैन सहित बाहर भर से आयें सभी पत्रकारों का स्वागत किया गया।

<u>सोनल जैन की रिपोर्ट</u>

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, स्वस्तिक द्वारा क्षमावनी मिलन समारोह आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

कान्हा रेस्टोरेंट, जगतपुरा में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप स्वस्तिक द्वारा क्षमावनी मिलन कार्यक्रम आयोजित गया। अध्यक्ष सतीश बाकलीवाल ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती रंजना बोहरा,मधु बाकलीवाल, शकुन बड़जात्या द्वारा मंगलाचरण से किया गया। सरोज नलिनी द्वारा दीप प्रज्जवलन किये जाने के पश्चात अध्यक्ष सतीश बाकलीवाल द्वारा अपने स्वागत उदबोधन में सभी का स्वागत करते हुए उपस्थित सदस्यों की रिकॉर्ड संख्या की सराहना की। अपने भाषण में उन्होंने वार्षिक सदस्यता शुल्क बढ़ाने का प्रस्ताव रखा तथा 2 अन्य प्रस्ताव रखे जिसे आम सहमति के पश्चात स्वीकार कर लिया गया। क्षमावनी पर्व की महिमा बताते हुए संगीता सोनी ने सारगर्भित बाते सबके समक्ष बताई। सचिव अजीत बड़जात्या ने बताया कि बहुत ही हर्षोल्लास व शायराना अंदाज में वैवाहिक वर्षगांठ व जन्मतिथि वाले सदस्यों को बधाई देकर सम्मानित किया गया जिसका श्रेय किशोर -मीना व रेखा ठोलिया को जाता है। नए सदस्य के रूप में जुड़े डॉ नितिन-मंजू फैंसी का स्वागत-अभिनंदन किया गया। संयोजक किशोर-मीना ठोलिया द्वारा स्वपरिक्षण एवं ज्ञानवृद्धि हेतु एक रोमांचक गेम भी खिलाया गया जिसमें जिनआगम पर आधारित प्रश्नोत्तरी के माध्यम से स्वाध्याय चेतना जागृत की गई। इस कार्यक्रम की सभी ने पुरजोर सराहना की। कोषाध्यक्ष राजकुमारी अजमेरा द्वारा सभी पधारे सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम के समापन पर सभी सदस्यों ने सुरुचिकर भोजन का रसास्वादन किया।

नई दिशा द्वारा "गुरु सम्मान समारोह 2025" का हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

नई दिशा एवं नारायणा हेल्थ के संयुक्त तत्वावधान में "गुरु सम्मान समारोह 2025" का आयोजन 5 अक्टूबर 2025, रविवार को शाम 4 बजे से होटल ग्रैंड सफारी, गुर्जर की थड़ी, जयपुर में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर शिक्षा जगत के विशिष्ट हस्तियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती राखी राठौर (प्रवक्ता, भाजपा राजस्थान एवं चेयरमैन, गार्डन एंड एनवायरनमेंट कमेटी, पार्षद-जेएमसी ग्रेटर वार्ड 61) के साथ गुरु सम्मान समारोह 2025 में बतौर गेस्ट ऑफ ऑनर शिक्षा जगत की प्रतिष्ठित हस्तियां डॉ. ओ.पी. गुप्ता, प्रो वाइस चांसलर, श्रीधर यूनिवर्सिटी, श्री बी.एस. रावत, चेयरमैन, रावत एजुकेशनल ग्रुप, डॉ. राजू अग्रवाल, निदेशक, सुबोध मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट, सुनील शर्मा डीईओ गोनेर, विकास शर्मा नारायणा हेल्थ ने शिरकत की। इस अवसर पर नई दिशा के निदेशक अर्पित जैन ने बताया कि इस अवसर पर राजस्थान के उड़ए और पढ़ए स्कूलों के 150 से अधिक निदेशक एवं प्राचार्य का सम्मान किया गया। साथ अपने विचार रखते हुए अर्पित जैन ने स्कूलों में बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कैम्पस का आयोजन करने का वादा किया। कार्यक्रम में नारायण हेल्थ के डॉक्टर्स द्वारा बच्चो ले स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर भी जानकारी दी गई। पार्षद प्रत्याशी नेमि सागर निवासी मोहित जैन ने जानकारी देते हुए बताया की गुरु सम्मान समारोह के आयोजन का उद्देश्य उन गुरुजनों, शिक्षाविदों और संस्थान प्रमुखों को सम्मानित करना है, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है और विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कार्यक्रम में अनिल छाबड़ा, निकिता जैन, अशोक बडजात्या, गिर्राज शर्मा, सोबिया परवीन, सुमैया खान आदि उपस्थित रहे। मंच संचालन सीमा छाबड़ा द्वारा किया गया।

500 वर्ष प्राचीन आमेर रियासत कालीन मंदिर कूकस का दो दिवसीय वार्षिक मेला 11-12 अक्टूबर को

शनिवार दिनांक 11 अक्टूबर को प्रातः 9:15 बजे चन्द्र प्रभु विधान पूजा तथा इसी दिन रात्रि 8-15 बजे से भक्ति संध्या का आयोजन होगा, 12 अक्टुबर को प्रातः 9.15 बजे साजों से 24 तीर्थंकर पूजन श्री वीर संगीत मंडल द्वारा कराई जाएगी

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र चंद्र प्रभु जी कूकस का दो दिवसीय वार्षिक मेला शनिवार 11 अक्टूबर से प्रारंभ हो रहा है। क्षेत्र के अध्यक्ष बाबू लाल बाकलीवाल व मंत्री प्रदीप गोधा ने बताया की कूकस स्थित 500 वर्ष प्राचीन आमेर रियासत कालीन मंदिर में इस अवसर पर शनिवार दिनांक 11 अक्टूबर को प्रातः 9:15 बजे चन्द्र प्रभु विधान पूजा से मेला की शुरूआत होगी। इसी दिन रात्रि 8-15 बजे से भक्ति संध्या का आयोजन होगा जिसमें जयपुर के विख्यात भजन गायक पूनम चंद गोधा, अशोक पांड्या, श्रीमती मीनू सौगानी सुनील पांड्या, आयुष पांड्या श्रीमती आरुषि जैन व श्री वीर संगीत मंडल आदि के द्वारा भजन प्रस्तुतियां दी जाएगी। भक्ति संध्या में प्रसिद गायक कलाकार नरेंद्र जैन द्वारा अपनी प्रस्तुति दी जाएगी। क्षेत्र के कार्याध्यक्ष सुनील पहाड़िया ने बताया कि रविवार दिनांक 12 अक्टूबर को प्रातः 8:15 बजे वृहत शांति धारा के तत्पश्चात प्रातः 9.15 बजे साजों से 24 तीर्थंकर पूजन श्री वीर संगीत मंडल द्वारा कराई जाएगी। इसके बाद दोपहर 3:30 बजे से श्री जिनेंद्र भगवान के कलशाभिषेक होंगे। मेला संयोजक दीपेश छाबड़ा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता हेमंत सोगानी अध्यक्ष श्री दिगंबर जैन मंदिर महासंघ व अध्यक्षता प्रमुख समाज सेवी उत्तम चंद पांड्या होंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सुभाष पाटनी स्वपन लोक रिसोर्ट एवं पारस पाटनी पार्षद होंगे। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक प्रशांत सहदेव शर्मा गौरवमयी अतिथि होंगे।

प्रचार संयोजक
राकेश छाबड़ा

देख लेना धूप में दौड़ा दौड़ाकर तुम्हारी इच्छाएं...

इस ज़िन्दगी को श्मशान घाट से आगे नहीं जाने देगी : अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

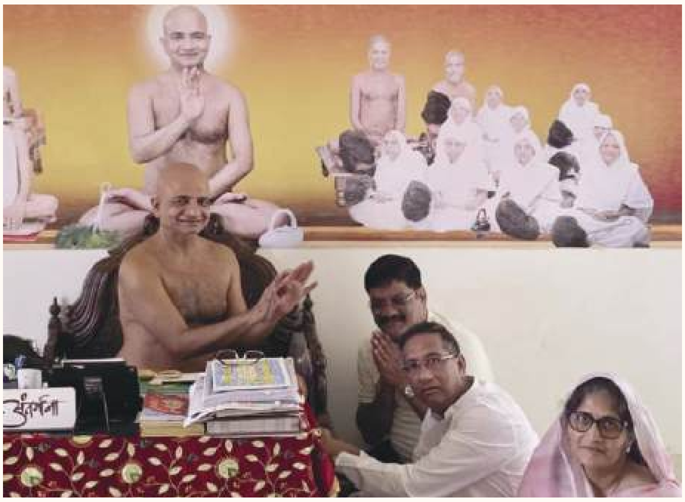

तरुणसागरम तीर्थ, गाजियाबाद. शाबाश इंडिया। अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ तरुणसागरम तीर्थ पर वषायोंग हेतु विराजमान हैं उनके सानिध्य में वहां विभिन्न धार्मिक कार्योंकम संपन्न हो रहें हैं उसी श्रृंखला में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि देख लेना धूप में दौड़ा दौड़ाकर तुम्हारी इच्छायें...इस ज़िन्दगी को श्मशान घाट से आगे नहीं जाने देगी..! ज़िन्दगी भर मिट्टी के ठीकरों और चंद रंग बिरंगे कागजी टुकड़ों के लिये, आदमी बेहतास भाग रहा है। ध्यान रखना बाबू! तुम्हारे मरने के बाद तुम्हें श्मशान तक ले जाने वाले चार-छह लोग नहीं बल्कि चार-छह पहिये वाली गाड़ी उठाकर ले जायेगी। मशीन पर रखेगी और मिनटो में तुम खाक में मिल जाओगे। तुम्हारे साथ जलकर मरने वाला एक भी साथी नहीं होगा। तुम्हारे साथ होगा तुम्हारा धर्म, सेवा, परोपकार और अच्छे बुरे कर्म, जो मरने के बाद आपका साथ और सहारा देंगे। जब कोई आदमी अकड़ कर चलता है जैसे पुतिन अभी अहंकार में अन्धा और बहरा होकर रखा है। कहते हैं ना जब रावण और सिकंदर जैसे ताकतवर आततायी लोग इस पृथ्वी पर चलते थे, तो पृथ्वी उनके भय व भार से काँपती थी। लेकिन मैं कहता हूँ - पृथ्वी काँपती नहीं बल्कि हँसती थी। पृथ्वी कहती है - ठीक है बच्चू! अभी अकड़ लो। एक सांस रूकते ही मिट्टी में मिल जाओगे। अभी उछल कूद कर लो। खूब मन मानी कर लो, फिर तो मेरी शरण में आना ही है। इसलिए आदमी को अपना अतीत और औकात कभी नहीं भूलना चाहिए...!

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर '**शाबाश इंडिया**' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

दंत परीक्षण एवं सुरक्षा हेतु सेमिनार आयोजित

लायन्स क्लब कोटा सेन्ट्रल की भविष्य को संरक्षण मुहिम

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। लायंस क्लब कोटा सेंट्रल के प्राइम प्रोग्राम भविष्य का संरक्षण के अंतर्गत राजकीय सीनियर सेकंडरी विद्यालय विनोबा भावे नगर कोटा में कक्षा तीन, चार, पांच एवं आठ के छात्र-छात्राओं को दांतों की देखभाल के लिए सेमिनार और चेकअप कैंप आयोजित किया। कैंप संयोजक शक्ति मधु ललित बाहेती और ममता विजय ने बताया कि सेमीनार में दंत चिकित्सक डॉ भावना बरथूनिया ने मॉडल और चार्ट के माध्यम से दूध के दांत और परमानेंट दांतों की देखभाल ब्रश करने के सही तरीकों, कोल्ड ड्रिंक चॉकलेट से दांतों का एनामेल को होने वाले नुकसान, सुबह - शाम ब्रश करना आदि के बारे में विस्तार से समझाया और सवालों के भी जवाब दिए। क्लब सेक्रेट्री राजकुमार गुप्ता ने बताया कि दंत चिकित्सक डॉ भावना बरथूनिया द्वारा 103 छात्र छात्राओं का दंत परीक्षण किया गया प्रिंसिपल प्रियंका चौधरी ने क्लब का आभार व्यक्त किया।

आमंत्रण

Since1975

अनुराग संगीत संस्थान

50 स्वर्ण जयंती महोत्सव 2025

33वीं अखिल भारतीय दृष्टिबाधित संगीत प्रतियोगिता

10-11-12 अक्टूबर, 2025

प्रथम सत्र : उद्घाटन समारोह दिनांक : 10.10.2025 समय : सायं 4 बजे

मुख्य अतिथि	अध्यक्षता	दीप प्रज्वलनकर्ता	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि
श्री विवेक काला	श्री नंदकिशोर पहाड़िया-श्रीमती शांति देवी पहाड़िया	श्री अनिल दीवान	श्री राजेश गंगवाल	श्री महेश साबू
प्रमुख समाजसेवी एवं रत्न व्यवसायी	चेयरमैन, ए.आर.एल. इन्फ्राटेक लि., जयपुर	श्री उदयलाल दीवान चेरिटेबल ट्रस्ट, जयपुर	प्रमुख समाजसेवी एवं ट्रांसपोर्ट व्यवसायी	

द्वितीय सत्र : बाल वर्ग – एलीमिनेशन राउंड दिनांक : 10.10.2025 समय : रात्रि 8 बजे

मुख्य अतिथि	अध्यक्षता	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि
लॉयन विनोद गटटानी	श्री राजा शर्मा	डॉ. तनु बत्रा	श्रीमती मधु - नम्रता पाटनी	श्री भुवनेश शर्मा
	प्राचार्य, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जोधपुर	विभागाध्यक्ष, इन्दिरा आई.वी.एफ., जयपुर	प्रमुख समाजसेविका	प्रमुख समाजसेवी

तृतीय सत्र : युवा वर्ग – एलीमिनेशन राउंड दिनांक : 11.10.2025 समय : अपराह्न 2 बजे

मुख्य अतिथि	अध्यक्षता	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि
श्रीमती स्वयंप्रभा गंदिया	डॉ. पी.सी. जैन	श्रीमती जयश्री सिद्धा	श्री एस.आर.भूतड़ा
	प्रमुख समाजसेवी	प्रेसिडेंट, इंडियन काउंसिल ऑफ चाईल्ड वेलफेयर	

चतुर्थ सत्र : सेमीफाईनल राउंड दिनांक : 12.10.2025 समय : प्रातः 9.30 बजे

मुख्य अतिथि	अध्यक्षता	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि
श्री अशोक खांदवाड़	श्री कमल जी-सुधा जी सरावगी	श्री धनु कुमार जैन	श्री पीयूष वढेर	श्री सुनील जैन
रत्न व्यवसायी व प्रमुख समाजसेवी	प्रमुख समाजसेवी	अध्यक्ष, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, जयपुर मेन	रत्न व्यवसायी व प्रमुख समाजसेवी	

पंचम सत्र : फाईनल राउंड एवं पारितोषिक वितरण समारोह दिनांक : 12.10.2025 समय : अपराह्न 3 बजे

मुख्य अतिथि	प्रमुख अतिथि	सम्माननीय अतिथि	अध्यक्षता	दीप प्रज्वलनकर्ता
श्री गुलाब कोठारी	श्री सुधांशु कासलीवाल (एडवोकेट)	डॉ. के.एल. जैन	श्री अमित अग्रवाल	श्री मोहित राणा
प्रधान संपादक, राजस्थान पत्रिका समूह		अध्यक्ष, राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स, जयपुर		पूर्णिमा हैंडीक्राफ्ट, जयपुर

विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि
श्री केशव गोदिका	श्रीमती राज काला	श्रीमती त्रिशला गोधा	श्रीमती रेणू राणा
	पूर्व अध्यक्ष, अनुराग संगीत संस्थान	पूर्व अध्यक्ष, अनुराग संगीत संस्थान	पूर्व संरक्षक, अनुराग संगीत संस्थान

स्थानः 'अभिनंदन' श्री माहेश्वरी समाज जनोपयोगी भवन
पत्रकार कॉलोनी रोड, मानसरोवर, जयपुर

संरक्षक	संरक्षक	संरक्षक	परामर्शक	अध्यक्ष	उपाध्यक्ष
श्री सुधांशु कासलीवाल	श्री नंदकिशोर पहाड़िया	श्री विवेक काला	श्री महेश काला	ज्ञान चन्द झांझरी	शैलेन्द्र गोधा – रूपिन काला

महामंत्री	मंत्री	संयुक्त मंत्री	कोषाध्यक्ष	संगठन मंत्री	सांस्कृतिक मंत्री	प्रचार मंत्री
डॉ. अजित कुमार जैन	दिलीप जैन	वैभव जैन	गुंजन जैन	विमल बज	कश्वी जैन	अवधेश पारीक

मनोहर पोपली, रामप्रकाश मेहंदीरत्ता, शांति जैन, सतीश अजमेरा, प्रद्युम्न पाटनी, मोहित राणा, जिनेन्द्र जैन, राकेश गोदिका, इन्दिरा जैन, पूनाराम विश्नोई

मनीष जैन

SK MARBLE | NBC BEARINGS | ARL | Poornima HANDICRAFTS | KG Gems | JECRC UNIVERSITY | Red Sketch! Commercial Art Academy & Studio

Office : YA-125, near Chandra Paradise, 6D Engineers Colony, Mohan Nagar, Mohru Nagar, Mansarovar, Jaipur, Rajasthan 302020, Mob.: 093146 17840

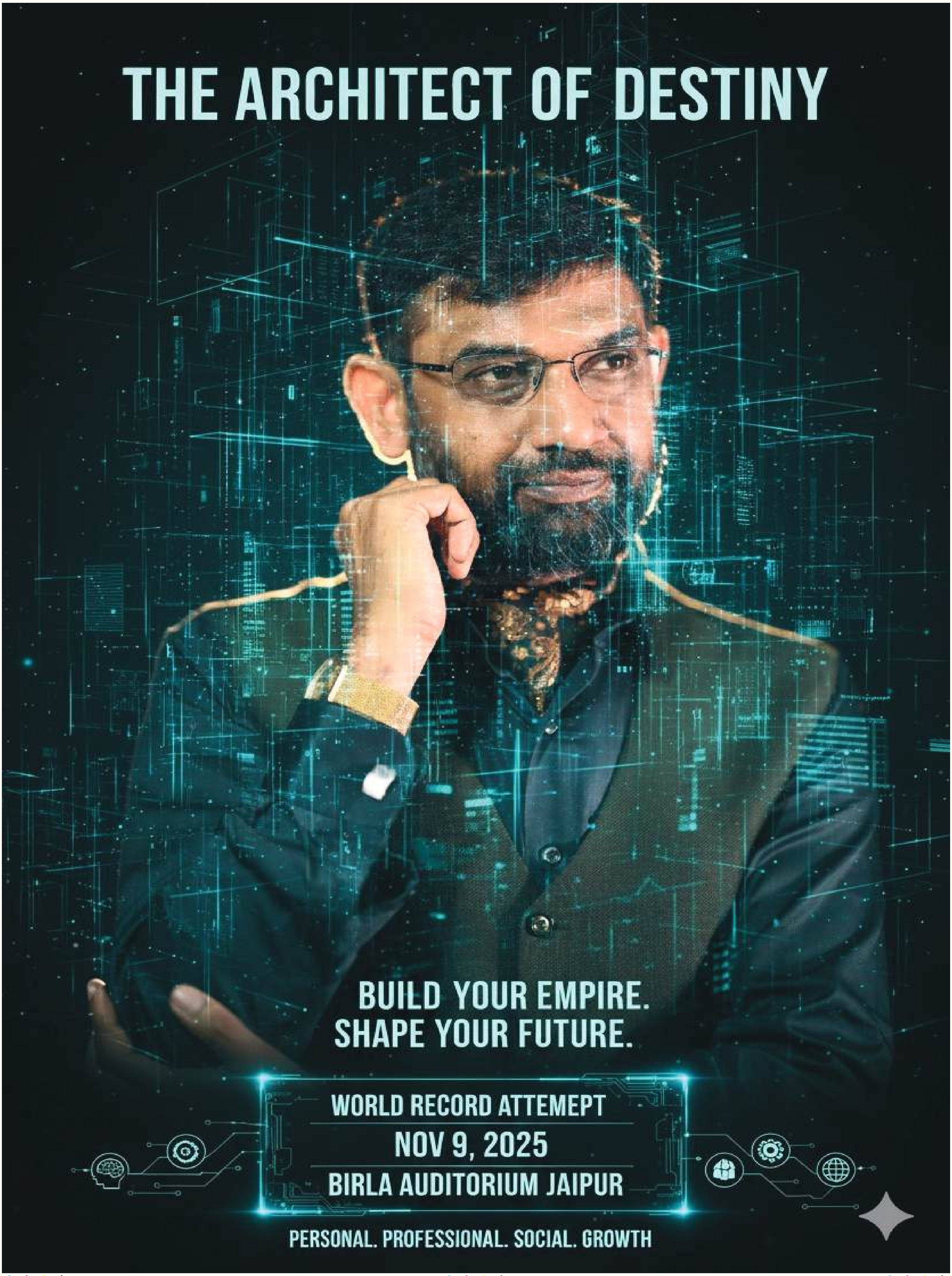
THE ARCHITECT OF DESTINY
BUILD YOUR EMPIRE.
SHAPE YOUR FUTURE.
WORLD RECORD ATTEMEPT
NOV 9, 2025
BIRLA AUDITORIUM JAIPUR
PERSONAL. PROFESSIONAL. SOCIAL. GROWTH

कुछ लोगों के जन्म स्मरण करने योग्य होते हैं: आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर महाराज

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया। परम पूज्य आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर महाराज ने आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज, आचार्य श्री 108 सुनीलसागर महाराज, आचार्य श्री 108 समयसागर महाराज एवम गणिनी आर्यिका 105ज्ञानमति माताजी के जन्म दिवस के अवसर पर कहा कि आज आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का एवं आर्यिका ज्ञानमति माताजी का जन्म दिन है साथ ही आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज का जन्मदिन है। कुछ लोगों के जो जन्मदिन होते हैं वह स्मरण करने योग्य होते हैं। क्योंकि इन्होंने भोगों का त्याग किया, राग द्वेष का त्याग किया और संयम के मार्ग को स्वीकार किया संयम के मार्ग को स्वीकार कर लिया तो वह है तब भी स्मरण करने के योग्य है नहीं है तो भी स्मरण करने योग्य है। आचार्य श्री विद्यासागर महाराज हमारे बीच में नहीं है यह नियति है, कोई इसे बदल नहीं सकता। उनके जीवन के गुण उनके जीवन के कार्य उनकी विशेषता और उनके कार्य अनुकरणीय भी है और स्मरण करने के योग्य भी है। वर्तमान में ज्ञानमति माताजी है अभी वयोवृद्ध है 95 साल से ऊपर है फिर भी वो जैन दर्शन के लिए कितना काम करती हैं। जैन दर्शन के लिए कितना काम किया है स्त्री पर्याय में होने पर भी उन्होंने जिनवाणी की बहुत-बहुत सेवा की है। हम यह भावना करे कि यह जीव शीघ्र सिद्धालय पहुंचे । अगर हम बिना नियम व्रत के जीवन जीते है तो हमारा जीवन दुर्गति की ओर जाता है। आचार्य श्री ने अपने प्रवचन में व्रतों के विषय में बताया उन्होंने कहा व्रत का अर्थ होता है नियम में बंधना उन्होंने कहा दो ही रास्ते हैं या तो हम नियम में बंधे या बिना नियम के चले यदि हम बिना नियम व्रत के जीवन जीते हैं तो हमारा जीवन दुर्गति की ओर जाता है। शरीर का श्रृंगार सभी करते हैं लेकिन आत्मा का श्रृंगार व्रती करता है। व्रतों को धारण करने का मतलब होता है आत्मा का श्रृंगार करना जैन दर्शन कहता है शरीर का श्रृंगार छूट जाए लेकिन आत्मा का श्रृंगार नहीं छूटना चाहिए। शरीर का श्रृंगार नहीं करना है आत्मा का श्रृंगार करना है व्रत आत्मा को श्रृंगार करने वाले हैं और व्रत आत्मा को व्यवस्थित करने वाले हैं जो तुम चाह रहे हो उसका रास्ता आधुनिकता नहीं है त्याग है। आचार्य श्री ने कहा कि हम आधुनिकता में बहुत कुछ पीछे छोड़ते जा रहे हैं हम कहते तो हैं की समाधि मरण हो जाए लेकिन हम आधुनिकता के कारण हम उसे पीछे छोड़ते जा रहे हैं। जो तुम चाह रहे हो उसका रास्ता आधुनिकता नहीं है उसका रास्ता त्याग है। हमारी लगन शब्दों में है वास्तविकता में नहीं है और अगर वास्तविकता में आता है तो हमें लगता है कि आधुनिकता से पीछे हटते जाए।

-अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट

नयापुरा के जैन लाल मन्दिर में सिद्ध चक्र महा मण्डल विधान सम्पन्न, शोभायात्रा निकाली

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में सिद्ध चक्र महा मण्डल विधान का रविवार को विश्व शांति महायज्ञ के साथ सआनन्द सम्पन्न हुआ। समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि विनीत धाम प्रणेता पट्टाचार्य श्री 108 विनीत सागर महाराज के आशिर्वाद से पूण्यार्जक परिवार मोराबाई जैन, सीमा जैन सिघई परिवार की और से श्री पुष्पदंत नाथ दिगम्बर जैन लाल मन्दिर नयापुरा में उपाध्याय 108 श्री विकसंत सागर महाराज ससंघ, व आर्यिका 105 श्री चिन्मय मति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में पंडित नितिन शास्त्री व गायक अंश जैन इन्दौर के कूशल निर्देशन में नो दिवसीय 27 सितम्बर से 5 अक्टुबर तक चलने वाला सिद्ध चक्र महा मण्डल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ के साथ सआनन्द पूर्वक सम्पन्न हुआ। इस सिद्ध चक्र महा मण्डल विधान में सभी इन्द्र इन्द्राणियों ने समाज के श्रावक श्राविकाये ने संगीत मय भक्ति के साथ रविवार को 1024 अर्ध समर्पित कर विश्व शांति महायज्ञ किया गया। उसके बाद प्रातः 9 बजे उपाध्याय विकसंत सागर महाराज के प्रवचन हुवे। जिसमें उन्होंने बताया कि जिन धर्म में सिद्ध चक्र महा मण्डल विधान का बड़ा ही महत्व है। इससे आत्मा की शुद्धि, आंतरिक शांति की प्राप्ति और मौक्ष मार्ग की और अग्रसर होना है। इस जैन विधान में नव पदों के नौ तत्वों को मंडलाकार रूप में स्थापित कर आराधना की जाती है। इसके नियमित अभ्यास से ज्ञात- अज्ञात पापों का नाश होता है। समस्त बाधाऐं दुर होती है और जीवन में सकारात्मक उर्जा एवं आत्मबल बढ़ता है उसके बाद बेण्ड बाजों के साथ शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में इन्द्र- इन्द्राणिया दो बग्गियों में बेठकर चल रहें थेऔर श्रावक गण भक्ति करते हुवे चल रहे थे। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्ग नयापुरा, खंडपुरा, शहर मौहल्ला, सेठान मौहल्ला होते हुवे जैन लाल मन्दिर नयापुरा पहुंचीं। जहां पर भगवान पर अभिषेक के पश्चात नयापुरा बगीची मे सकल दिगम्बर जैन समाज व बहार से पधारने वाले सभी अतिथियों का वात्सल्य भोज हुआ अन्त में सौधर्म इन्द्र गौरव जैन, रजनी जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। वहीं उपाध्याय विकसंत सागर महाराज के 40वें अवतरण दिवस के अवसर पर मांगलिक भवन शहर मौहल्ला में बाल ब्रह्मचारी देशना दींदी के निर्देशन में रविवार को बाल मेला का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों द्वारा भारतीय भोजन की विभिन्न प्रकार की स्टाले लगाईं गई और समाज के लोगों ने स्वादिष्ट व्यंजनों का रसास्वादन किया।

युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी का 59वां जन्मोत्सव पनवेल में श्रद्धा-भक्ति के साथ मनाया गया

युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी आगामी चातुर्मास 2026 भीलवाड़ा में घोषित

पनवेल. शाबाश इंडिया

कापड़ बाजार जैन स्थानक में चातुमार्सार्थ विराजित श्रमणसंघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी म.सा. का 59वां जन्मोत्सव शनिवार को पनवेल स्थित बैंक्वेट हॉल में देशभर से पधारे हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में तप, त्याग और गुरु-भक्ति से परिपूर्ण वातावरण में भव्यता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ मे प्रेरणा महिला मंडल और मेवाड़ महिला मंडल की बहनों द्वारा प्रस्तुत भावपूर्ण स्वागत गीत से हुआ। मंचासीन एवं अतिथियों का चातुर्मास समिति के अध्यक्ष राजेश बांठिया और शैलेन्द्र खैरोदिया ने शब्दों से स्वागत कर युवाचार्यश्री की दीर्घायु की मंगलकामना की। इस अवसर पर मुनिश्री हितेंद्र ऋषिजी और धवल ऋषिजी ने अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि युवाचार्यश्री भले ही युवाचार्य बन गए हैं, पर उनमें आज भी वही सरलता और सहजता विद्यमान है। जब मैं वैराग्य में आया था, तब उन्होंने कहा था- मुझे गुरुदेव मत कहना, गुरुदेव तो केवल आचार्य सम्राट आनंद ऋषिजी हैं। महापुरुषों की यही विशेषता होती है कि वे कोई कार्य अधूरा नहीं छोड़ते। सभा में उपस्थित

अनेक श्रावकों ने भी युवाचार्यश्री के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करते हुए कहा कि उन्होंने अपने प्रेरणादायी जीवन कई आत्माओं को धर्ममार्ग पर अग्रसर किया है। वे आचार्य सम्राट आनंद ऋषिजी म.सा. की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुँचाने में एक सशक्त सेतु बने हैं। उनकी सरलता, विनम्रता और समर्पणभाव से संपूर्ण जैन समाज गौरवान्वित है। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पनवेल विधायक प्रसाद ठाकुर, नगरसेवक राजू सोनी, प्रीतम म्हात्रे, तथा देशभर से पधारे अनेक श्रद्धालु, श्रीसंघों के प्रतिनिधि और राष्ट्रीय जैन कॉन्फ्रेंस के पदाधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य रूप से रमनलाल लुकड़, सुरेश लुनावत, नरेश बोहरा, पारस मोदी, कंवरलाल सूरिया, रतनचंद सिंघवी, पिंटू कर्णावट, अशोक पगारिया, महेंद्र पगारिया, नितिन वैदमुथा, विकास कोठारी, सागर सांखला, सुभाष ललवानी, प्रवीण लुणावत, अभिषेक दुग्गड़, अमोल नाहर सहित मुंबई

मेवाड़ संघ के चतरलाल लोढ़ा, अध्यक्ष भैरूलाल लोढ़ा, दिलीप नाबेड़ा , रुचिरा सुराणा, विमल सुदर्शन बाफना, कंचन सिंघवी, चंदा कोठारी, कल्पना कर्णावट आदि गणमान्यजन उपस्थित थे। राष्ट्रीय महिला जैन कॉन्फ्रेंस की चेयरमैन अनामिका तलेसरा ने इस अवसर पर आचार्य सम्राट शिवमुनिजी म.सा. का बधाई संदेश भी पढ़कर सुनाया। चातुर्मास समिति के मंत्री रणजीत कांकरेजा और अशोक बोहरा ने संचालन करते हुए बताया कि जन्मोत्सव उपलक्ष्य में गीतांजलि जैन ने 100 उपवास, मंगला मुनोथ ने 15 उपवास तथा मीरा बाई लुणिया ने 268 आयंबिल तप की भेंट दी।ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस की मुख्य शाखा ने मुख्यमंत्री सहायता कोष में 11 लाख रुपये राशि मानव सेवा केलिए देने की घोषणा की। वहीं पनवेल श्रीसंघ ने स्वधार्मिक सहायता फंड की स्थापना की, जिसमें बड़ी राशि एकत्रित हुई।

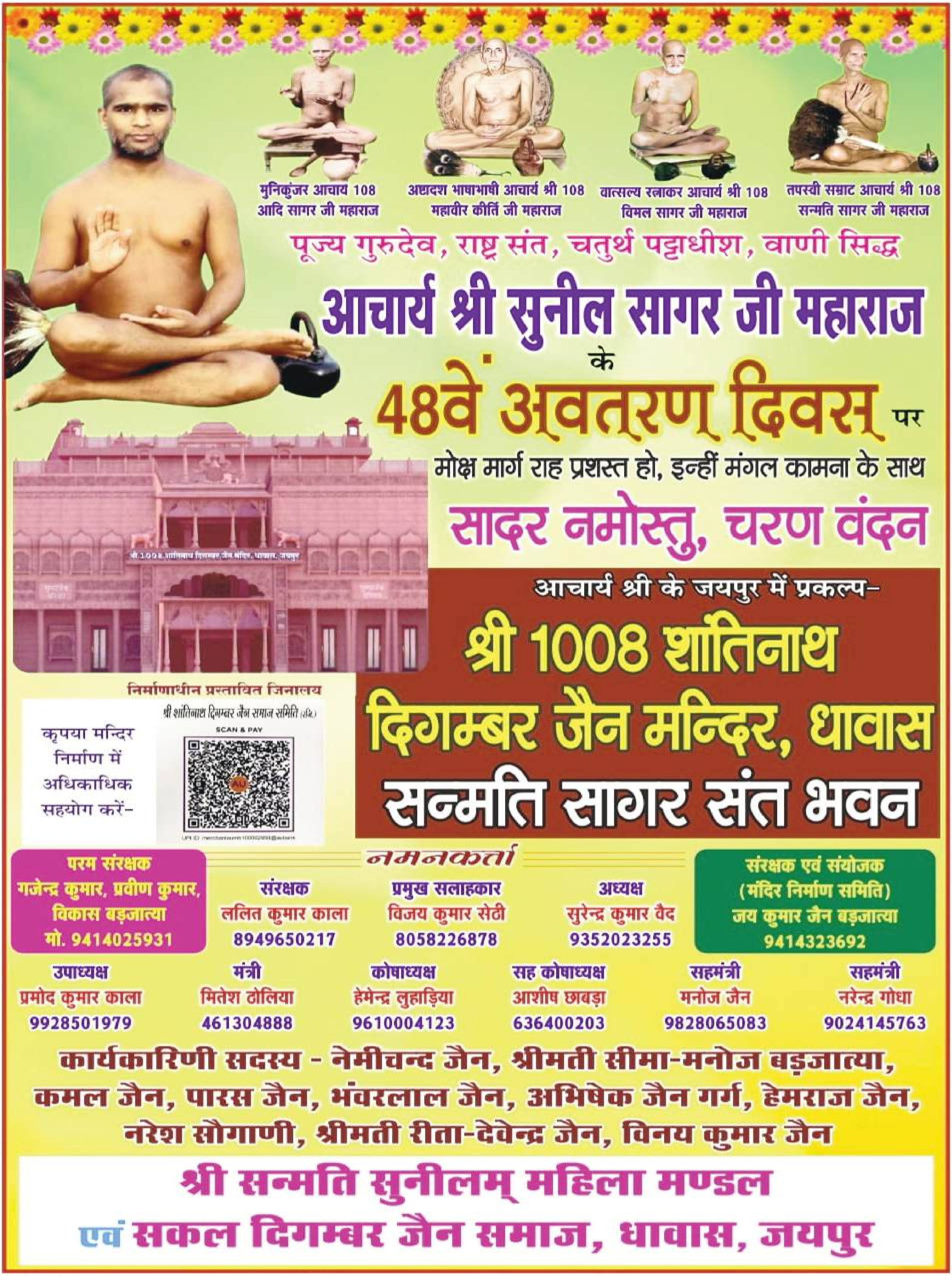
मुनिकुंजर आचार्य 108
आदि सागर जी महाराज
अष्टादश भाषाभाषी आचार्य श्री 108
महावीर कीर्ति जी महाराज
वात्सल्य रत्नाकर आचार्य श्री 108
विमल सागर जी महाराज
तपस्वी सम्राट आचार्य श्री 108
सन्मति सागर जी महाराज
पूज्य गुरुदेव, राष्ट्र संत, चतुर्थ पट्टाधीश, वाणी सिद्ध
आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज
के
48वें अवतरण दिवस पर
मोक्ष मार्ग राह प्रशस्त हो, इन्हीं मंगल कामना के साथ
सादर नमोस्तु, चरण वंदन
आचार्य श्री के जयपुर में प्रकल्प-
श्री 1008 शांतिनाथ
दिगम्बर जैन मन्दिर, धावास
सन्मति सागर संत भवन
निर्माणाधीन प्रस्तावित जिनालय
कृपया मन्दिर निर्माण में अधिकाधिक सहयोग करें-
श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति (रजि.)
SCAN & PAY
नमनकर्ता
परम संरक्षक
गजेन्द्र कुमार, प्रवीण कुमार, विकास बड़जात्या
मो. 9414025931
संरक्षक
ललित कुमार काला
8949650217
प्रमुख सलाहकार
विजय कुमार सेठी
8058226878
अध्यक्ष
सुरेन्द्र कुमार वैद
9352023255
संरक्षक एवं संयोजक
(मंदिर निर्माण समिति)
जय कुमार जैन बड़जात्या
9414323692
उपाध्यक्ष
प्रमोद कुमार काला
9928501979
मंत्री
मितेश ठोलिया
461304888
कोषाध्यक्ष
हेमेन्द्र लुहाड़िया
9610004123
सह कोषाध्यक्ष
आशीष छाबड़ा
636400203
सहमंत्री
मनोज जैन
9828065083
सहमंत्री
नरेन्द्र गोधा
9024145763
कार्यकारिणी सदस्य - नेमीचन्द जैन, श्रीमती सीमा-मनोज बड़जात्या,
कमल जैन, पारस जैन, भंवरलाल जैन, अभिषेक जैन गर्ग, हेमराज जैन,
नरेश सौगाणी, श्रीमती रीता-देवेन्द्र जैन, विनय कुमार जैन
श्री सन्मति सुनीलम् महिला मण्डल
एवं सकल दिगम्बर जैन समाज, धावास, जयपुर

शरद पूर्णिमा 2025

श्रेष्ठ रत्नत्रय दिवस अवतरण

इंजी. अरुण कुमार जैन

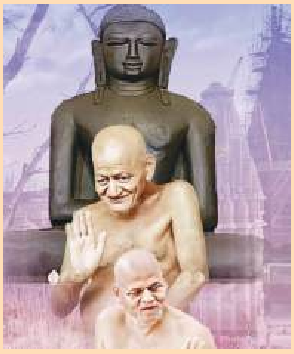

त्रि रत्नो का दिवसअवतरण, शुभ अवसर यह युग का,
श्री विद्यासागर,माँ ज्ञानमती जी, समय सागर गुरुवर का.
शरद पूर्णिमा चौबीस, छियालिस,वर्ष अठावन आये, धन्य धरा यह प्रमुदित हर मन, जड़, चेतन मुस्काये.
धवल रश्मियाँ शीतल पावन,
अंतर्मन में आयीं,
दिव्य, प्रखर व भव्य गुणों से,
रोम- रोम विकसायीं.
****
ज्ञानमती माँ,आचार्यश्री जी,
श्री समय सागर कहलाये,
त्याग, तपस्या, नई चेतना, भारत भू पर लाये.
ऐसा योगी कुछ न लेता,
देता झोली भर-भर.
प्रतिभास्थली, हथकरधा, दयोदय करुणा रत्नाकर.
भाग्योदय,पूर्णायु,शांतिधारा
से खुशियाँ आयीं,
रामटेक, माड़िया जी, कुंडलपुर ने निधियाँ दिलवायीं.
**
अयोध्या, प्रयागराज, हस्तिनापुर माताजी ने ही दिया है,
मांगीतुंगी प्रभुआदिनाथ जी,
युग निर्माण किया है.
****
वर्तमान में पथ दर्शाते,
श्री भरत,राम के जैसे.
आचार्य श्री जी के स्वरूप
पूज्य समय सागर जी ये.
दें पथ दर्शन व संरक्षण,
हम आगे बढ़ते जाएं,
शरद पूर्णिमा श्रेष्ठ रत्नत्रय
को नित शीश झुकायें.
***
सत्य,अहिंसा,त्याग, साधना,
गंगा,सेवा करुणा की,
नव निधियों को देने वाले,
हम करें वंदना इनकी.
श्रेष्ठ गुणों के ये संवाहक,
विस्तृत धरा, गगन से,
शुभ्र व उन्नत हिमगिरि जैसे,
यश,धैर्य महासागर से.
शरद पूर्णिमा शत वंदन है, पावन श्री चरणों में,
पद रज, अनुकम्पा, संरक्षण,
सब पाएं हर पल, युग में.
*****

संपर्क//अमृता हॉस्पिटल, सेक्टर 88,फरीदाबाद, हरियाणा#
भोपाल एम. पी. मो. 7999469175

आचार्य विद्यासागर जी महाराज के अवतरण दिवस के शुभ अवसर पर औषधालय का शुभारंभ

भिंड. शाबाश इंडिया। चंदा प्रभु परेड मंदिर पुस्तक बाजार में परम पूज्य आचार्य भगवान 108 विद्यासागर महाराज जी परम पूज्य भगवान समय सागर महाराज जी परम पूजनीयणिनी 105 ज्ञानमती माताजी का अवतरण दिवस पर जैन मिलन महिला अंजना शाखा द्वारा पूजन एवं आरती बड़े ही उत्साह भक्ति भाव से की गई। शरद पूर्णिमा विद्यासागर महाराज जी के अवतरण दिवस के शुभ अवसर पर श्री1008 चंदा प्रभु परेड मंदिर में धार्मिक चेयरमैन वीरां स्नेहलता जैन द्वारा औषधीयला जैन मिलन महिला अंजना के सहयोग से औषधालय का शुभारंभ किया गया। इसमें सहयोग दाता पार्षद राहुल जैन ने शुगर बीपी की मशीन भेंट में दी 2100 रु शाखा द्वारा दिए गए। क्षेत्रीय तीर्थ बचाओ समिति सदस्य वीरा मीरा जैन सद्भावान वीरा सरला जैन जैन मिलन अरिहंत के अध्यक्ष सोनू जैन अध्यक्ष सुनीता जैन मंत्री रेनू जैन कोषाध्यक्ष सुमन काला जैन माया जैन नीलम जैन सुमन जैन किरण जैन कुसुम जैन रूबी जैन शर्मिला जैन आदि लोग मौजूद रहे। **-सोनल जैन की रिपोर्ट**

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपशिखा नागपाल 12 अक्टूबर को जयपुर में

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन डांडिया का होगा आयोजन ईपी ईस्ट लॉन में

जयपुर. शबाश इंडिया। रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन द्वारा 12 अक्टूबर सिटीजन डांडिया का आयोजन ईपी ईस्ट लोन में किया जा रहा है। क्लब के चार्टर अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा व डांडिया के चेयरमैन अशोक जैन कोटलर ने बताया की समारोह की मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री श्रीमती दियाकुमारी व विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार जगदीश चन्द्रा व रोटरी प्रांतपाल प्रज्ञा मेहता होगी। क्लब अध्यक्ष संजय अग्रवाल व सचिव आशीष बैद ने बताया कि डांडिया की मुख्य आकर्षण फेमस बॉलीवुड अभिनेत्री दीपशिखा नागपाल और बॉलीवुड सिंगर्स है । डांडिया के को चेयरमैन नीरज गंगवाल , नरेंद्र मित्तल ने बताया की डांडिया के मुख्य प्रायोजक रियलिटी है और इसमें करीब दो हजार से अधिक लोग हिस्सा लेंगे। डांडिया में बहुत सारी पारपाइजेस ईनाम व लकी ड्रॉ भी निकाले जाएंगे।

आचार्य वसुनंदी महाराज का 58 वां अवतरण दिवस अहिच्छेत्र पार्श्वनाथ में धूमधाम से मनाया गया

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अहिच्छेत्र पार्श्वनाथ। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले की आंवला तहसील के ग्राम रामनगर स्थित अहिच्छेत्र पार्श्वनाथ अतिशय क्षेत्र के प्रांगण में वषायोगरत प्राकृत भाषा चक्रवर्ती आचार्य वसुनंदी महाराज का 58 वां अवतरण दिवस भक्तों, धर्म जागृति संस्थान पुरुष व महिला प्रकोष्ठ एवं अतिशय क्षेत्र समिति द्वारा बड़े भक्ति भाव व विभिन्न आयोजनों के साथ आयोजित किया गया। धर्म जागृति संस्थान महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती रैना जैन दिल्ली के अनुसार इस अवसर पर भक्तों द्वारा गुरुदेव की भक्ति भाव से पूजा की गई तो पद प्रक्षालन का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर 32 महिला शाखाओं से गुरुवर के प्रति शुभकामना संदेश प्राप्त हुए जिनकी प्रदर्शनी भी लगाई गई। भक्तों की भावना से उत्साहित होकर सर्वश्रेष्ठ शुभकामना संदेश के लिए रजत दीपक से दीक्षा दिवस पर पुरस्कृत किया जाएगा। धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय महामंत्री इंजी भूपेंद्र जैन दिल्ली के अनुसार इस अवसर पर भक्तों ने गुरुवर के प्रति अपनी भावांजलि व्यक्त करते हुए कहा कि आचार्य वसुनंदी महाराज का वात्सलय अतुलनीय व सबको आकर्षित करने वाला है साथ ही शास्त्रों के अनुसार ही आपका उध्बोधन केंद्रित रहता है। इस अवसर पर आचार्य वसुनंदी महाराज ने कहा की व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार धार्मिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। क्योंकि धर्म का मार्ग ही वास्तविक जीवन व्यतीत करने का सही और उत्तम तरीका है। इस अवसर पर अनेको भक्त गण उपस्थित रहे।

अरुण जैन को मिला काव्य कौस्तुभ सम्मान

उदयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान के शौर्य, वीरता व वैभव से आप्लावित मेवाड़ भवन में त्रिदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय जैन साहित्य संगम के द्वितीय राष्ट्रीय अधिवेशन का गरिमा पूर्ण आयोजन हुआ। कार्यक्रम में देश भर के जैन साहित्य मनीषीयों ने भाग लिया। 8 सत्रों में आयोजित कार्यक्रमों में इंजी. अरुण कुमार जैन जो अमृता हॉस्पिटल फरीदाबाद में अपनी सेवाएं दे रहे हैं को, काव्य कौस्तुभ सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान में प्रशस्ति पत्र, अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये। संस्था के अध्यक्ष जगदीप जैन हर्षदर्शी, महामंत्री मनोज मनोकामना, राष्ट्रीय कवि कैलाश तरल ने यह सम्मान प्रदान किया। अरुण जैन की साहित्य, समाज व पर्यावरण सेवाओं का उल्लेख वक्ताओं ने किया। मूल रूप से ललितपुर उप्र निवासी अरुण जी ने भारतीय रेलवे में 37 वर्ष सिविल इंजिनियर के रूप में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान की हैं। देश के श्रेष्ठतम अमृता हॉस्पिटल फरीदाबाद में विगत 8 से अधिक वर्षों से सेवाएं दे रहे अरुण जैन द्वारा 20 से अधिक पुस्तकों का लेखन किया है। इनकी रचनाओं के 3000 से अधिक प्रकाशन हुए हैं। ये 40वर्षों से आकाशवाणी, दूरदर्शन, संपादन, संचालन से जुड़े हैं व देश भर की राष्ट्रीय संस्थाओं से इन्हें 50 से अधिक सम्मान मिले हैं। जैन इंजिनियर सोसाइटी फरीदाबाद के अध्यक्ष अरुण जैन को स्वजनों ने इस अलंकरण पर बधाइयां दी हैं।

नसियां जी में आचार्य श्री विद्यासागर जी के चरण चिन्ह की स्थापना हुई

इंदौर. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर जबरी बाग नसिया इन्दौर में आचार्य श्री विद्या सागर जी महाराज के पावन चरणों की स्थापना आज शरदपूर्णिमा के पावन अवसर की गई। ये उल्लेखनीय हैं कि वे इसी दिन पुण्य धरा पर अवतरित हुए थे। समाधिस्थ संत परम पूज्य तपोनिधि, संयम व त्याग के अद्वितीय आदर्श, धर्मसंघ के शिरोमणि एवं वाग्मी, वर्तमान युग के परम तपस्वी व प्रेरणा पुंज आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज, जिन आचार्यों ने आजीवन तप, संयम और त्याग से अपने जीवन को पवित्र बनाया है। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के पावन चरणों की स्थापना नसिया जी इन्दौर में की गई। इस पावन अवसर पर ब्रह्मचारी भावेश भैय्या जी ऊन वालों ने आचार्य छतिसी विधान पूजा की जिसमें नसिया के वरिष्ठ धीरेन्द्र कुमार कासलीवाल, प्रसिद्ध वास्तुविद राजेन्द्र जैन , वरिष्ठ हाईकोर्ट एडवोकेट वीर कुमार जैन, महेन्द्र कुमार जैन, प्रकाश चन्द्र शास्त्री, विशाल जैन सियागंज, उज्जवल जैन, राजेश जैन, सचिन जैन, दीपक जैन, मोनू जैन एडवोकेट व सभी समाजजन उपस्थित थे। इस अवसर पर ब्रह्मचारी भावेश भैय्या जी ने आचार्य श्री के चरण- स्थापना का महत्व बताया उन्होंने कहा जिन आचार्यों ने

आजीवन तप, संयम और त्याग से अपने जीवन को पवित्र बनाया है, उनके पावन चरणों की स्थापना स्थल को तीर्थतुल्य बना देती है। ऐसे संत, जिन्होंने अपने जीवन को केवल धर्म, तप और मोक्ष साधना के लिए समर्पित कर दिया है, उनके चरणों की स्थापना करना प्रत्येक साधर्मिक के लिए परम सौभाग्य का अवसर है। यह न केवल स्थान को पवित्र बनाता है, बल्कि हमारे जीवन में भी आध्यात्मिक ऊर्जा, संयम और श्रद्धा का संचार करता हैं। यहां जानकारी समाजिक कार्यकर्ता व स्वतंत्र लेखक हरिहर सिंह चौहान ने दी।

शाही लवाजमे के साथ श्री जी की विशाल रथयात्रा निकाली

भक्तों के जयकारों से गूंजायमान हुआ अतिशय क्षेत्र सांखना

हर्षौल्लास के साथ दो दिवसीय वार्षिक मेला सम्पन्न

सांखना, टोंक. शाबाश इंडिया

शांतिनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सांखना में आयोजित 452 वें वार्षिक उत्सव एवं दो दिवसीय मेला समारोह के तहत मंगलवार को प्रातः भगवान शांतिनाथ का अभिषेक एवं शांति धारा कर नित्य नियम पूजा की गई वार्षिक उत्सव के तहत भगवान शांतिनाथ का अभिषेक महावीर प्रसाद पदम कुमार अभिजीत कुमार वैभव कुमार प्रवीण कुमार निर्मल सोनी पंकज छाबड़ा प्रकाश पटवारी हुकुमचंद जैन प्रकाश सोनी नरेश कुमार पवित्र कुमार पदम कुमार आदि ने किया । अभिषेक की सभी क्रियाएं बिना बोली से की गई सभी श्रद्धालुओं को णमोकार महामंत्र की प्रतिदिन एक माला फेरने का नियम दिया गया। मीडिया प्रभारी राजेश अरिहंत ने बताया कि वार्षिक उत्सव के तहत मंदिर प्रांगण में झंडारोहण महावीर प्रसाद इंदिरा पदम कुमार सुनीता अक्षत संजौली खुशबू सम्यक पीयूष कासलीवाल परिवार बीजवाड़ केकड़ी द्वारा किया गया। तत्पश्चात श्री जी की विशाल रथयात्रा निकाली गई जिसमें श्री जी को रथ में लेकर बैठने के पुण्यार्जक हर्ष कुमार सोनी नगर फोर्ट रहे एवं रथ का सारथी बनने का सौभाग्य शिखर चंद पाटौदी धुआं को मिला। रत्नों की वर्षा करने वाले कुबेर बनने का सौभाग्य विमल चंद पाटौदी धुआं को मिला श्री जी के चँवर ढूलाने वाले इंद्र बनने का सौभाग्य पदमचंद अजमेरा एवं प्रकाश चंद लुहाड़िया दूनी को मिला। मंत्री प्यारचंद जैन ने बताया कि भगवान शांतिनाथ की विशाल रथयात्रा सम्पूर्ण सांखना गांव में निकाली गई जिसमें बैंड-बाजे के साथ समाज की महिलाये सिर पर मंगल कलश धारण किए हुए एवं पुरुष केसरिया ध्वज हाथों में थामें चल रहे थे। बैंड की मधुर धुनों पर भक्तजन भाव विभोर होकर नृत्य कर रहे थे। रथ यात्रा का लोगों ने स्वागत कर अपने- अपने घरों के बाहर श्री जी की आरती उतारी एवं रथ यात्रा पर पुष्प वर्षा की रथ यात्रा में सैकड़ों महिला-पुरुष झूमते नाचते गाते चल रहे थे। गांव भ्रमण के पश्चात रथ यात्रा वापस मंदिर परिसर पहुंची जहां पर श्री जी को समोशरण में विराजमान कर श्री जी की भक्ति भाव के साथ पूजा कर अष्ट द्रव्य चढ़ाए गए। उपस्थित भक्तों के जयकारों के बीच श्री जी का जलाभिषेक किया गया। समिति अध्यक्ष प्रकाश सोनी ने बताया कि संपूर्ण मांगलिक क्रियाएं बिना किसी बोली के संपन्न की गई किसी भी मांगलिक क्रिया के लिए बोली नहीं लगाई गई अपितु मांगलिक क्रियाएं संपन्न करने हेतु पुण्यार्जक परिवारों का चयन णमोकार महामंत्र की माला फेरने के आधार पर किया गया। जिसके तहत वार्षिक उत्सव में श्रद्धालुओं द्वारा आज एक लाख णमोकार महामंत्र की माला फेरने का संकल्प लिया गया। रोहित टेंट हाउस पारस कुमार जैन नगर फोर्ट वाले विगत कई वर्षों से सांखना वार्षिक उत्सव में टेंट-पांडाल की सेवाएं निशुल्क दे रहे हैं समिति की ओर से इनका माला एवं दुपट्टा पहना कर स्वागत किया गया वार्षिक उत्सव में छान धुआं देवड़ावास भरनी दुनी बंथली आवा नैनवा बूंदी कोटा निवाई टोंक जयपुर दिल्ली मुंबई आदि स्थानों से श्रद्धालु भारी संख्या में पधारे।

दुर्गम रास्तों के पार फैली मुस्कान, बच्चों के चेहरे खिले नए वस्त्रों से

मूलभूत सुविधाओं से वंचित 352 विद्यार्थियों को गणवेश की सेवा से किया लाभान्वित

अजमेर. शाबाश इंडिया

''लायंस सेवा सप्ताह'' के अंतर्गत लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा अजमेर ग्रामीण सराधना के पास नदी प्रथम की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने के लिए आने वाले 352 ऐसे विद्यार्थी जिनके लिए शैक्षणिक सामग्री एवं सुविधाओं का अभाव रहता है के लिए गणवेश की सेवा समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल,लायन अतुल पाटनी,राजेश जय हिंद होजरी अजमेर,विजय वाधवानी उदयपुर, दिल्ली निवासी राजेश कुमार जैन एवं अन्य भामाशाहों के सहयोग से प्रदान की गई। लायन अतुल पाटनी ने अपने उद्बोधन में आने वाले समय में विद्यालय में स्वच्छ पानी हेतु आर ओ प्लांट,बाथरूम की मरम्मत में सहयोग का आश्वाशन दिया। क्लब अध्यक्ष लायन मुकेश कर्णावट ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के संयोजन में ऐसे ग्राम में सेवा दी जहां बारिश के कारण सड़क पर बड़े खड्डे हो गए है जिनमें पानी भरा हुआ है। इससे पूर्व विद्यालय पहुंचने पर प्रधानाचार्य मुस्ताक अहमद सिद्की ने स्वागत करते हुए विद्यालय की वस्तु स्थिति बताई एवं विद्यार्थियों की मूलभूत आवश्यकता की जानकारी दी जिसे क्लब द्वारा शीघ्र निदान की बात कही गई।

वंचित परिवार के बच्चों के लिए नए वस्त्र की सेवा दी

कालबेलिया समाज एवं अन्य जरूरतमंद परिवार के 60 बच्चे दीपावली पर्व पर नए वस्त्र धारण करेंगे

अजमेर. शाबाश इंडिया। आओ गांव चले सेवा करे एवं आवश्यकता अनुरूप सेवा के अंतर्गत तीर्थराज पुष्कर के पास बसा ग्राम गनाहेड़ा में स्थापित सेवाभावी उपक्रम मंडला संस्थान में कालबेलिया समाज के साथ साथ एवं इस क्षेत्र के स्लम एरिया में रहने वाले जरूरतमंद परिवार के 60 विद्यार्थियों के लिए गणवेश की सेवा में पेंट शर्ट टी शर्ट सलवार सूट की सेवा के साथ स्कूल बैग (पिट्ठू बैग) की सेवा समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल, लायन अतुल पाटनी,लायन मधु पाटनी,राजेश जय हिंद होजरी अजमेर,विजय वाधवानी उदयपुर, राजेश जैन दिल्ली एवं अन्य भामाशाहों के सहयोग से प्रदान की गई। क्लब अध्यक्ष लायन मुकेश कर्णावट ने बताया कि प्रांतीय स्लोगन आओ खुशियां बाटे को चरितार्थ करते हुए एवं आने वाले दिनों में राष्ट्रीय महापर्व दीपावली पर जरूरतमंद परिवार के बच्चे हर्षोल्लास से त्योहार मनाए को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के संयोजन में संस्थान के प्रबंधक बुद्धिप्रकाश गौड एवं अध्यापिका डिम्पल गौड को क्लब की सेवा प्रदान की गई। जिन्हे स्थानीय सामाजिक कार्यकताओं एवं केंद्र में आने वाले बच्चो के अभिभावकों के सम्मुख भेंट करवाए जाएंगे।

ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानव सेवा ही सर्वोत्तम सेवा है इस संदेश के साथ ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन ट्रस्ट (रजि.) द्वारा रविवार, 5 अक्टूबर 2025 को श्रमणी आर्यिका 105 प्रशांतनंदिनी माताजी के ससंघ के सानिध्य में श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, थड़ी मार्केट, मानसरोवर में प्रियंका हॉस्पिटल एंड कार्डियक सेंटर के सहयोग से निःशुल्क चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेन्द्र कुमार शर्मा (RPS), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सतर्कता), राजस्थान सरकार रहे। उन्होंने कहा कि ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन जैसे संगठन समाज में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने का सराहनीय कार्य कर रहे हैं। स्वस्थ नागरिक ही सशक्त राष्ट्र की नींव हैं। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों डॉ पीयूष, डॉ आशा, डॉ वीरेंद्र, डॉ आयुषी, डॉ राज के टॉक, हेल्थ कोच प्रतीक्षा गुप्ता द्वारा विभिन्न रोगों की निःशुल्क जांच, परामर्श एवं स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही उपस्थित लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के उपयोगी सुझाव भी प्रदान किए गए। संस्थापक अध्यक्ष प्रमोद जैन भँवर ने बताया कि फाउंडेशन निरंतर मानव सेवा के क्षेत्र में सक्रिय है और समाज के हर वर्ग तक स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाना इसका प्रमुख उद्देश्य है। मंदिर अध्यक्ष सुमत प्रकाश जैन ने कहा कि मंदिर परिसर में ऐसे आयोजन समाज में सहयोग और एकता की भावना को मजबूत करते हैं।महिला मंडल अध्यक्ष भंवरी देवी ने कहा कि महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होना बहुत आवश्यक है, क्योंकि एक स्वस्थ महिला ही स्वस्थ परिवार का आधार होती है। संस्था कोषाध्यक्ष मनीषा जैन ने बताया कि फाउंडेशन द्वारा आगे भी इसी प्रकार के निःशुल्क शिविर, पौधारोपण और सामाजिक कल्याण के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया और आयोजन की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

लायंस क्लब जयपुर द्वारा योग शिविर व दीवाली मिलन का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। आज दिनांक 6.10.25 को सेवा सप्ताह की गतिविधियों के तहत लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा अपनी मासिक मीटिंग होटल ग्रांड सफारी में आयोजित की गई। जिसमें योगा ट्रेनर डॉ.भारती जैन व उनके सहयोगी महिपाल व सुदेश द्वारा सीनियर सिटीजनो को उनकी शारीरिक अवस्था के अनुसार कुछ योग क्रियाएं सिखाई गई जिसमें प्रमुख रूप से गर्दन, कंधा, बैक बोन, घुटना, टखना, एड़ी, पिंडली आदि में दर्द से राहत कैसे मिले,यह बताया गया। बढ़ती उम्र में दैनिक चर्या में सावधानी बरतने हेतु हिदायत के साथ साथ बहुत ही सरल भाषा मे खान पान, श्रम, धूप सेवन व नियमित योगा की जानकारी साझा की। सभी ने उक्त शिविर का भरपूर आनंद लिया। इसी के साथ मीटिंग दीवाली थीम पर आयोजित की गई। सभी ने शरद पूर्णिमा, करवा चौथ व दीवाली की अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित की। मीटिंग में सेवा सप्ताह में अब तक किये गए व आगे किये जाने वाले सेवा कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया गया। सचिव द्वारा सितंबर माह की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।अंत मे सहभोज के साथ सभा का समापन किया गया।

''लायंस सेवा सप्ताह'' के अंतर्गत लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा जीवदया के अंतर्गत वन्य जीवो की सेवा

अजमेर. शाबाश इंडिया

''लायंस सेवा सप्ताह'' के अंतर्गत लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा जीवदया के कार्यक्रम को क्रियान्वित करते हुए ग्राम मकरेडा (सराधना) के वन क्षेत्र में स्थापित गोरी कुंड माताजी के मंदिर के आस पास वन्य जीव बंदरों को लायन कमल बाफना, लायन घेवर चंद नाहर, लायन प्रकाश कांठेड़ व लायन विनयचंद लोढ़ा के सहयोग से 200 किलो फल में केले अर्पण किए गए। क्लब अध्यक्ष लायन मुकेश कर्णावट ने बताया कि प्रांतीय स्लोगन ''आओ खुशियां बांटे'' के अंतर्गत क्लब द्वारा प्रति दिन क्लब सदस्यों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं भामाशाहों के सहयोग से जीवदया के साथ साथ पीड़ित एवं जरूरतमंदो को सेवा प्रदान कराई जा रही है।

नौगामा जैन समाज ने वागड़ आगमन के लिए सुधा सागर जी महाराज को किया श्रीफल भेंट

सुखोदय तीर्थ क्षेत्र की नई प्रतिमा के बारे में चर्चा की

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज को नौगामा जैन समाज व सुखदेव तीर्थ क्षेत्र कमेटी ने वागड़ आगमन के लिए श्रीफल भेंट किया। सुखोदय तीर्थ क्षेत्र के सदस्यों ने अशोक नगर पहुंच कर प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भैया सुयश अशोक नगर के सानिध्य में मुनि श्री सुधा सागरजी महाराज को श्रीफल भेंट कर सुखोदय तीर्थ की प्रतिमा के लिए शिला मिलने की जानकारी देते हुए बताया कि शिला मिलने के साथ वागड़ के सबसे बड़े सुखोदय के भगवान श्री मुनिसुब्रतनाथ की प्रतिमा आकार लेने लगी है । शिल्पी दिन रात कार्य कर एक सुन्दर प्रतिमा का निर्माण कर रहे हैं तथा सुखोदय तीर्थ क्षेत्र पर निर्माण कार्य भी प्रगति पर है बस पुज्य गुरूदेव श्री सुधा सागरजी महाराज आपके आगमन को नौगामा, बड़ोदिया, अरथुना, परतापुर आंजना, तलवाड़ा,सेनावासा,घाटोल, बांसवाड़ा, बागीदौरा आनंदपुरी जैन समाज सहित पुरा वागड़ पलक पांवड़े बिछाए बैठे हैं। सुखोदय तीर्थ नौगामा की कमेटी की भावना को सुनकर मुनि श्री ने सभी को दोनों हाथों से आशीर्वाद दिया। इस दौरान तीर्थ क्षेत्र कमेटी के सदस्यों ने बताया कि पूर्ण आकार लेने के साथ ही भगवान श्री मुनिसुब्रतनाथ की प्रतिमा लगभग जनवरी 2026 तक सुखोदय तीर्थ क्षेत्र पर आ जाएगी तथा भव्य आयोजन के साथ प्रतिमा मुल वेदी पर स्थापित की जाएगी। नौगामा दिगंबर जैन समाज की ओर से जीतमल शांतिलाल विधानाचार्य रमेश चंद्र गांधी विपुल पंचोली सुरेश गांधी प्रकाश जैन दिनेश गांधी वास्तुकार श्रीपाल नानावटी, रमलाल गांधी नरेश जैन दिनेश गांधी जयंतीलाल गांधी सुरेश पंचोरी, केसरीमल पंचोली, आदि अशोकनगर में महाराज श्री को श्रीफल चढ़ाया। उक्त जानकारी जैन समाज प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी द्वारा दी गई।

आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में होने वाले भगवती जिन दीक्षा महोत्सव का सिक्किम के राज्यपाल को दिया निमत्रण

बुधवार को मनाया जाएगा आर्यिका सुलक्ष्यमती माताजी का अवतरण दिवस

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर की चित्रकूट कॉलोनी में प्रवासरत आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में 31 अक्टूबर से 4 नवम्बर को होने वाले विशाल जिनेश्वरी दीक्षा महोत्सव का सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर को निमंत्रण दिया।इस मौके पर मंदिर समिति के महामंत्री मूल चन्द पाटनी, दिगम्बर जैन मंदिर सैक्टर 17 प्रतापनगर के अध्यक्ष राजेश अजमेरा, प्रशासनिक समन्वयक एडवोकेट महावीर सुरेन्द्र जैन, विरेन्द्र जैन आदि शामिल हुए। इसके साथ ही राज्य सभा सासंद घनश्याम तिवाड़ी को भी आमंत्रण पत्र देकर जिनेश्वरी दीक्षा महोत्सव में आने का अनुरोध किया। इससे पूर्व चित्रकूट कालोनी के कवर का बाग में आगामी 3 नवम्बर को भगवती जिनेश्वरी दीक्षा ग्रहण करने वाले 6 दीक्षार्थियों की बैण्ड बाजों के साथ कालोनी में बिन्दौरी निकाली गई। बडी संख्या में श्रद्धालु नाचते गाते शामिल हुए। अध्यक्ष अनिल जैन काशीपुरा एवं महामंत्री मूल चन्द पाटनी के मुताबिक मंगलवार, 7 अक्टूबर को सायंकाल 4.00 बजे आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ (4 पिच्छीका) का सैकड़ो

श्रद्धालुओं के साथ राणा जी की नसिया से चित्रकूट कालोनी के लिए मंगल विहार हुआ। रात्रि विश्राम मालवीय नगर के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में हुआ। बुधवार, 8 अक्टूबर को प्रातः 6.15 बजे मालवीय नगर से मंगल विहार होकर टौक रोड़ होते हुए चित्रकूट कालोनी के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश होगा। मुख्य प्रचार प्रसार समन्वयक विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक बुधवार, 8 अक्टूबर को चित्रकूट कालोनी के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में प्रातः 8.15 बजे धर्म सभा में आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में संघस्थ आर्यिका सुलक्ष्यमति माताजी का अवतरण दिवस मनाया जाएगा। इस मौके पर मंगलाचरण, दीप प्रज्जवलन, पाद पक्षालन, जिनवाणी भेंट, पूजा, मंगल प्रवचन सहित कई आयोजन होगें।सायंकाल 6.15 बजे श्रुत शंका समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा महिला बंदी सुधार गृह में सिलाई मशीन भेंट

जयपुर. शाबाश इंडिया। सेवा सप्ताह का तीसरा दिन प्रान्त द्वारा आज का दिन योग व स्ट्रेस मैनेजमेंट द्वारा स्वयम को तंदुरुस्त रखने को समर्पित किया गया।इसी क्रम में एक आयोजन महिला बंदी सुधार गृह की महिला कैदियों हेतु योग शिविर आयोजित किया गया, जिसमे योगा ट्रेनर जया जैन व सोनाली द्वारा विभिन्न योग मुद्राएं सिखाई गयी।जयपुर के विभिन्न क्लब -लायंस क्लब महानगर, रॉयल, कैपिटल, भगवती डिवाइन, सुपर स्टार,एंजिल रूबी व जयपुर स्पार्कल द्वारा महिला कैदियों व बच्चो के लिए कुछ सामान वितरण किया गया जिसमें-स्कूल बैग, कॉपी,पेन, बिस्कुट, चॉकलेट, जूस,सेनेटरी पैड के साथ-साथ जयपुर स्पार्कल द्वारा एक सिलाई मशीन प्रदान की गई।उक्त कार्यक्रम ला. शंकर सिंह जी खंगारोत के निर्देशन में आयोजित हुआ,जिसमे तीन पी.डी. जी- ला. शकुंतला ,ला. ललिता मेहता , ला. अंजना जैन की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी क्लब्स के अध्यक्ष, ला. मनोज , ला.नवनीत के साथ लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल की अध्यक्ष ला. सुजाता, सचिव नीलम मित्तल व सेवा सप्ताह कॉर्डिनेटर ला. रानी पाटनी उपस्थित रही।

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति ने आचार्य श्री के अवतरण दिवस पर गौशाला में गायों को खिलाया रजका व गुड़

चित्तौड़गढ़. शाबाश इंडिया

महिला महासमिति की संस्थापक अध्यक्ष नम्रता गदिया ने बताया कि शरद पूर्णिमा पर आचार्य श्री विद्या सागर गुरुदेव, नवाचार्य समय सागर जी गुरुदेव आर्यिका गणिनी प्रमुख ज्ञानमती माताजी और तारीख अनुसार चतुर्थ पट्टाधिशआचार्य श्री सुनील सागर जी गुरुदेव का अवतरण दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया। संरक्षिका मनोरमा अजमेरा ने इस दौरान बताया नगर के सभी जैन मंदिरों में अभिषेक,शांतिधारा व विशेष पूजा अर्चना की गई। जीव दया के प्रेणता 108 आचार्य श्री विद्या सागर गुरुदेव ने हमेशा गौवंश के संरक्षण व संवर्धन पर जोर दिया था।जीव दया ही जैन धर्म का मूल सिद्धांत है। इसी सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए अध्यक्ष मंजु सेठी ने बताया कि अवतरण दिवस पर महिला महासमिति के तत्वाधान में गांधी नगर स्थित गौशाला में गायों को रजका व गुड़ खिलाया गया। प्रांगण जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर महामंत्री प्रियंका गदिया, प्रभा गंगवाल, पूजा चांदवाड़, शकुंतला गदिया, नीलम अजमेरा, आशा अजमेरा व मानकंवर गोधा आदि मौजूद रहे।

आचार्य भगवान 108 श्री विद्यासागर जी महाराज के अवतरण दिवस पर बच्चों को स्टेशनरी वितरित की

ब्यावर. शाबाश इंडिया। शरद पूर्णिमा के शुभ अवसर एवं आचार्य भगवान 108 श्री विद्यासागर जी महाराज, वर्तमान आचार्य श्री 108 समय सागर जी महाराज एवं आर्यिका गणनी 105 ज्ञानमती माताजी के अवतरण दिवस के उपलक्ष पर श्री दिगंबर जैन युवा मंडल ब्यावर के द्वारा श्री ऐलक पन्नालाल दिगंबर जैन स्कूल में बच्चों की शिक्षा में सहयोग हेतु स्कूल में मंडल की तरफ से पंखे लगवाए गए साथ ही बच्चों को मिठाई एवं अन्य अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवाई गई। कार्यक्रम में विद्यालय कमेटी के अध्यक्ष अनिल रानीवाला, उपाध्यक्ष संजय रावका, समाज के अध्यक्ष अशोक काला, पंडित घनश्याम दास शास्त्री, वीरेंद्र गोधा, प्रदुमन जैन, शांतिलाल कटारिया व युवा मंडल के अध्यक्ष रितेश फागीवाला, मंत्री राकेश गोधा, उपाध्यक्ष अंकुर अजमेरा, सहमंत्री अतुल बड़जात्या, सांस्कृतिक मंत्री प्रशांत जैन, मनोज सोगानी, प्रमोद बड़जात्या, कमलेश ठोलिया, मनीष सोनी, मनीष अजमेरा, संजय जैन, नीरज जैन, विकास छाबड़ा, विकास जैन, उज्जवल काला, चंचल जैन, लक्की गंगवाल, सौरभ जैन, यश पहाड़िया, महावीर अजमेरा, नितिन बाकलीवाल, कोपल फागीवाला, साक्षी सोनी, वर्षा बड़जात्या, अंतिमा सोगानी, क्षमा अजमेरा, निशा अजमेरा, ज्योति बड़जात्या, अमानी पहाडिया सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम की व्यवस्था स्कूल प्रधानाध्यापक अनुपम नागोरा , अरुणा जैन व अन्य अध्यापक, अध्यापिकाएं ने की। कार्यक्रम का संचालन पंडित घनश्याम दास शास्त्री ने किया व उन्होंने आचार्य श्री के जीवन पर प्रकाश डालते हुए गुरु की महिमा का बखान किया साथ ही युवा मंडल के द्वारा दिये गये सहयोग के लिए धन्यवाद ग्यापित किया।

आचार्य विद्यासागर जी महाराज का 79 वां एवं आचार्य समय सागर महाराज का 67वां अवतरण दिवस मनाया

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

आचार्य विद्यासागर महाराज का 79 वां एवं आचार्य समय सागर महाराज का 67वां जन्मदिवस शरद पूर्णिमा के अवसर पर सेवा ग्रुप व सुधा सागर दिगंबर जैन संस्थान के सानिध्य में पुर रोड पर स्थित विद्यासागर सर्कल पर मनाया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम सर्किल पर द्वीप प्रज्वलित कर आचार्य गुरु विद्यासागर जी महाराज की पूजा की गई। एनसी जैन ने आचार्य विद्यासागर जी महाराज के जीवन पर प्रकाश डाला व सुधा सागर दिगंबर जैन सेवा संस्थान के विद्यार्थियों को विद्यासागर महाराज के बताएं सिद्धांतों को अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सुधासागर दिगम्बर जैन सेवा संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। अंत में आचार्य विद्यासागर महाराज एवं आचार्य समय सागर महाराज की सामूहिक रूप से आरती की गई। कार्यक्रम का संचालन पंकज बघेरवाल ने किया। इस अवसर पर सुधा सागर दिगंबर जैन संस्थान के प्रदीप गदिया, अभिषेक छाबड़ा, एन.सी.जैन, पूनम चंद सेठी, पंकज बघेरवाल सेवा ग्रुप के विवेक बाकलीवाल। अशोकबाकलीवाल, मनोज भैंसा, सौरभ शाह, वीरेंद्र पाटोदी सहित सभी सदस्य मौजूद थे।

संत शिरोमणि आचार्य विद्या सागर मुनिराज, नवाचार्य समय सागर मुनिराज एवं प्रमुख आर्यिका रत्न ज्ञान मति माताजी के अवतरण दिवस शरद पूर्णिमा पर दिगम्बर जैन मंदिरों में हुए विशेष धार्मिक आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

इस युग के महान आचार्य संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर एवं नवाचार्य समय सागर महाराज तथा इस युग की महान विदुषी गणिनी प्रमुख आर्यिका रत्न ज्ञानमती माताजी का शरद पूर्णिमा पर अवतरण दिवस भक्ति भाव से मनाया गया। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में प्रातः पूजा अर्चना के विशेष धार्मिक आयोजन किए। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि इंडिया नहीं भारत बोलें, मातृभाषा हिन्दी अपनाएँ, हथकरघा, संस्कृति बचाएँ सहित देश हित में कई अभियानों के प्रेरणा स्रोत आध्यात्म सरोवर के राजहंस, धरती पर प्राणी मात्र के प्रति करूणा के परिचायक,हम सभी के उद्धारक, संत शिरोमणि परमपूज्य 108 विद्यासागर महामुनिराज के 79वे अवतरण दिवस, नवाचार्य समय सागर महाराज का 68 वां अवतरण दिवस तथा साक्षात सरस्वती स्वरूपा 500 ग्रंथों की लेखिका, युगप्रवर्तिका गणिनीप्रमुख आर्यिकाशिरोमणि ज्ञानमती माताजी के 92वें जन्मदिवस एवं 74वें संयम दिवस पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में प्रातः अष्ट द्रव्य से भक्ति भाव से पूजा अर्चना की गई। कई मंदिरों में सायंकाल संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें आचार्य विद्या सागर, समय सागर एवं गणिनी प्रमुख आर्यिका रत्न ज्ञान मति के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। विश्व शांति प्रदायक णमोकार महामंत्र के पाठ एवं भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान सहित विशेष धार्मिक आयोजन किये गए। विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक इस मौके पर श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, झोटवाडा में संगीतमय 'अवतरण दिवस' महाअर्चना का रात्रि 8:00 बजे से 10:00 बजे तक भक्ति संध्या का कार्यक्रम रखा गया। संगीतकार अविनाश जैन एंड पार्टी द्वारा जैन भजनों की प्रस्तुति दी गई । श्रद्धालुओं ने आचार्य विद्यासागर महाराज के जयकारों से आसपास का वातावरण गुंजायमान कर दिया।

शरद पूर्णिमा पर ''गुरु अवतरण दिवस'' भक्तिभाव से मनाया

शरद पूर्णिमा के दिन राष्ट्रसंत आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज , नवाचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज और गणिनी आर्यिका श्री 105 ज्ञानमति माताजी का है अवतरण दिवस

सीकर. शाबाश इंडिया। शहर के जाट बाजार स्थित दीवान जी की नसियां सहित सभी जैन मंदिरों में शरद पूर्णिमा के अवसर पर जैन समाज द्वारा ''गुरु अवतरण दिवस'' श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इसी दिन राष्ट्रसंत आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज, नवाचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज और गणिनी आर्यिका श्री 105 ज्ञानमति माताजी का अवतरण हुआ था । इस अवसर पर शहर के विभिन्न जैन मंदिरों में धार्मिक आयोजन आयोजित किए गए। विवेक पाटोदी ने बताया कि इस अवसर पर दीवान जी की नसियां मंदिर में दोपहर भक्तामर के पाठ एवं भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजन पंडित आशीष जैन शास्त्री द्वारा संपन्न करवाया गया।